सब का सपना

निष्पक्ष व निडर साप्ताहिक समाचार पत्र

वर्ष–01 अंक–35 अमरोहा उत्तर प्रदेश www.sabkasapna.com सोमवार ● 2 सितंबर से 8 सितंबर 2024 पेज–08 मूल्य 5 रुपये

पेज–04

जरूर पढ़ें

देश में 39 रुपये महंगा हुआ सिलेंडर

दिल्ली : ऑयल कंपनियों ने शनिवार को 19 किलो वाले कॉमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम बढ़ा दिए। संशोधित दरों के अनुसार कीमतों में आज से 39 रुपये की बढ़ोतरी की गई है। ऐसे में अब दिल्ली में 1 सितंबर से 19 किलो वाला कॉमर्शियल गैस सिलेंडर 1691.50 रुपये में मिलेगा। हालांकि कंपनियों ने 14 किलो वाले घरेलू गैस सिलेंडरों के दामों में कोई बदलाव नहीं किया है। नई दरों के अनुसार आज से कॉमर्शियल सिलेंडर की कीमत में 39 रुपये की बढ़ोतरी कर दी गई है। अब दिल्ली में 19 किलो वाले कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत 1691.50 रुपये हो गई। क्हउछ की वेबसाइट के अनुसार कॉमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत में बढ़ोतरी 1 सितंबर से लागू हो गई है। वहीं मुंबई में इसकी कीमत 1644 रुपये हो गई है।

यात्रीगण ध्यान दें! 3 नई वंदे भारत ट्रेन शुरू,

नई दिल्ली: पीएम मोदी आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए नई वंदे भारत ट्रेनों का उद्घाटन करने वाले हैं। ये ट्रेनें महत्वपूर्ण मार्गों पर कनेक्टिविटी को बढ़ाएंगी। इनके आने से यात्रियों को क्या फायदे मिलेंगे, इसका क्षेत्रीय प्रभाव क्या होगा, इंडियन रेलवे विकास और यात्राओं को सुविधाजनक बनाने के लिए कई ट्रेनें लेकर आता है। अब इन नई ट्रेनों को लाकर उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु और कर्नाटक में कनेक्टिविटी बढ़ाने की तैयारी है। इन ट्रेनों के आने से किस तरह से असर पड़ेगा इसपर रेल मंत्रालय ने प्रकाश डाला है। इसमें मेरठ–लखनऊवंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन, मदुरै–बेंगलुरु वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन और चेन्नई–नागरकोइल वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनें शामिल हैं।

दिल्ली में बढ़ रहे हैं वायरल और बैक्टीरियल इंफेक्शन के मामले?

सर्दी, जुकाम, खांसी, बुखार जैसी कई बीमारियां दिल्ली के लोगों में आम हो गईं हैं।

नई दिल्ली, एजेंसियां

देश की राजधानी दिल्ली में वायरल और बैक्टीरियल इंफेक्शन के केस दिन दुगनी और रात चौगुनी तेजी से बढ़ रहे हैं। सर्दी, जुकाम, खांसी, बुखार जैसी कई बीमारियां दिल्ली के लोगों में आम हो गईं हैं। इसके अलावा दिल्ली में डेंगू, मलेरिया और चिगनगुनिया के मामलों में भी इजाफा देखने को मिला है। आखिर इसकी क्या वजह है?

दिल्ली में क्यों बढ़ी बीमारियां?

दिल्ली में बढ़ रहे वायरल और बैक्टीरियल इंफेक्शन का कारण मानसून है। जी हां, कई स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि मानसून की एंट्री के बाद दिल्ली में ऐसे मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। अगस्त के महीने

में 26 दिन बरसात देखने को मिली है। पिछले 14 सालों में इस साल दिल्ली के मौसम में सबसे ज्यादा नमी रही है। इसके कारण राजधानी में लोग डेंगू, मलेरिया, इंफ्लुएंजा, वायरल हेपेटाइटिस, चिकनगुनिया और सांस से संबंधित बीमारियों का शिकार हो रहे हैं।

टाइफाइड और लेप्टोस्पाइरोसिस के मामले बढ़े : दिल्ली में टाइफाइड और लेप्टोस्पाइरोसिस जैसे बैक्टीरियल इंफेक्शन के केस भी सामने आ रहे हैं। टाइम्स ऑफ इंडिया के साथ बातचीत में डॉक्टर रोमिल टिक्को ने कहा कि 70 प्रतिशक मरीजों को बुखार की शिकायत होती है और वहीं जांच में डेंगू या फ्लू निकलता है। विदेशों का सफर करने वाले कई लोग तो कोविड–19 वायरस का भी शिकार हो रहे हैं। इसलिए सही समय पर टाइफाइड और डेंगू का टेस्ट करवाना बेहद जरूरी है। अगर शुरुआती जांच नहीं करवाई गई, तो यह मामले ऐसे ही बढ़ते रहेंगे।

> **लेप्टोस्पाइरोसिस के लक्षण**
>
> डॉक्टर नेहा रस्तोगी ने बताया कि बुखार, डायरिया, जॉन्डिस, किडनी और लिवर में इंफेक्शन जैसे लक्षण लेप्टोस्पाइरोसिस की तरफ इशारा करते हैं। अगर समय पर इसका इलाज ना किया जाए, तो यह जानलेवा हो सकता है। इससे बुखार दिमाग में चढ़ने का डर रहता है। ऐसे में शरीर के कई अंग काम करना बंद कर देते हैं और मरीज की जान भी जा सकती है।

आसपास के राज्यों में बढ़ा संकटः अक्कटर के मेडिसिन विभाग के प्रोफेसर डॉक्टर नीरज निच्छल का कहना है कि ना सिर्फ दिल्ली बल्कि आसपास के राज्यों से कई लोगों को अक्कटर में रेफर किया जा रहा है, उनमें से ज्यादातर लोग डेंगू, मलेरिया और लेप्टोस्पाइरोसिस का शिकार हैं। खासकर मानसून के दौरान लेप्टोस्पाइरोसिस के केस में इजाफा देखने को मिला है। वायरल और बैक्टीरियल इंफेक्शन तेजी से फैल रहा है।

लेप्टोस्पाइरोसिस के लक्षण : डॉक्टर नेहा रस्तोगी ने बताया कि बुखार, डायरिया, जॉन्डिस, किडनी और लिवर में इंफेक्शन जैसे लक्षण लेप्टोस्पाइरोसिस की तरफ इशारा करते हैं। अगर समय पर इसका इलाज ना किया जाए, तो यह जानलेवा हो सकता है। इससे बुखार दिमाग में चढ़ने का डर रहता है। ऐसे में शरीर के कई अंग काम करना बंद कर देते हैं और मरीज की जान भी जा सकती है। मानसून आने के बाद डेंगू और मलेरिया जैसी मच्छरों से फैसले वाली बीमारियां 30–45 प्रतिशत तक बढ़ गई हैं।

महाराष्ट्र में पीएम मोदी ने सिर झुकाकर मांगी माफी

नई दिल्ली, एजेंसियां

महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग में शिवाजी महाराज की प्रतिमा गिरने के मामले में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को महाराष्ट्र में सिर झुकाकर माफी मांगी। पीएम मोदी ने कहा कि मैं उनके चरणों में सिर झुकाता हूं और क्षमा की याचना करता हूं। बता दें कि पिछले साल 4 दिसंबर को प्रधानमंत्री ने नौसेना दिवस के मौके पर सिंधुदुर्ग जिले के राजकोट फोर्ट में छत्रपति शिवाजी महाराज की एक प्रतिमा का अनावरण किया था। शिवाजी महाराज की यह प्रतिमा सोमवार को ढह गई थी।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने इस घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताया है और इसे फिर से स्थापित करने का वादा किया है। उन्होंने कहा कि लगभग 45 किलोमीटर प्रतिघंटे की तेज रफ्तार से चल रही हवाओं की वजह से प्रतिमा गिरकर ढह गई थी। बता दें कि प्रतिमा गिरने की इस घटना ने महाराष्ट्र की राजनीति में भूचाल ला दिया है।

विपक्ष इसे लेकर राज्य सरकार पर जमकर हमले कर रहा है। विपक्षी नेताओं ने आरोप लगाया है कि सरकार काम की गुणवत्ता पर कोई ध्यान नहीं दे रही है और ऐसा ही शिवाजी की प्रतिमा के साथ भी हुआ।शिवाजी महाराज की यह प्रतिमा सोमवार को ढह गई थी।

'भाजपा के भ्रष्टाचार के शिकार हुए शिवाजी'

शिवसेना (यूबीटी) के नेता आदित्य ठाकरे ने सत्ताधारी भाजपा की सरकार को निशाने पर लेते हुए कहा कि भाजपा के भ्रष्टाचारी शासन में एक महान शख्सियत की प्रतिमा भी विक्टिम बन सकती है। ठाकरे ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में लिखा कि इस बात की कल्पना भी नहीं की जा सकती कि जिन छत्रपति शिवाजी

महाराज का हम इतना सम्मान करते हैं वह भी भाजपा के भ्रष्टाचार के शिकार हो जाएंगे। इसके अलावा विपक्षी नेताओं ने यह आरोप भी लगाया है कि भाजपा इस घटना का दोष नौसेना के सिर मढ़ने की कोशिश कर रही है।

भारत में 'किंग' बने अडानी, अंबानी को पछाड़ा, 1 साल में 95 फीसदी बढ़ी संपत्ति

नई दिल्ली, एजेंसियां

अडानी फैमिली, अंबानी को पीछे छोड़ कर देश की सबसे अमीर फैमिली बन गई है।

अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी और उनके परिवार की कुल संपत्ति 1 साल में 95 प्रतिशत बढ़ी है। गौर करने वाली बात तो ये है कि हिंडनबर्ग के आरोपों के बाद भी गौतम अडानी एंड फैमिली ने पिछले साल की तुलना में संपत्ति में 95 प्रतिशत की ग्रोथ हासिल की है।

अगर गौतम अडानी के दूर–दूर तक फैले हुए बिज़नेस की बात करें तो अडानी देश के सबसे बड़े प्राइवेट पोर्ट के मालिक भी है। गौतम अडानी की अगुवाई वाला अहमदाबाद का अडानी ग्रुप इंफ्रास्ट्रक्चर

> अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी और उनके परिवार की कुल संपत्ति 1 साल में 95 प्रतिशत बढ़ी है। गौर करने वाली बात तो ये है कि हिंडनबर्ग के आरोपों के बाद भी गौतम अडानी एंड फैमिली ने पिछले साल की तुलना में संपत्ति में 95 प्रतिशत की ग्रोथ हासिल की है।

सेक्टर में प्रमुख रूप से काम करता है। वे देश के सबसे बड़े प्राइवेट पोर्ट का मालिक है और वैश्विक कोयला व्यापार में इसकी प्रमुख भूमिका है।

9 साल की बच्ची ने खींची हैरान करने वाली तस्वीर

बनी 'वाइल्डलाइफ फोटोग्राफर ऑफ द ईयर' की रनरअप

नई दिल्ली, एजेंसियां

नई दिल्ली:, दिल्ली के पास फरीदाबाद में रहने वाली एक 9 साल की बच्ची ने अद्भुत कारनामा कर दिखाया है। इस बच्ची का नाम श्रियोवी मेहता है, जो अपने पिता के साथ नेशनल पार्क घूमने गई थी। श्रियोवी ने पार्क में एक ऐसी तस्वीर खींची, जिसे देखकर हर कोई हैरान रह गया। श्रियोवी मेहता को इस तस्वीर के लिए 'वाइल्डलाइफ फोटोग्राफर ऑफ द ईयर' का रनरअप चुना गया है।नेशनल हिस्ट्री म्यूजियम हर साल लंदन में यह प्रतियोगिता आयोजित करता है। इसमें दुनिया भर के कई बड़े फोटोग्राफर हिस्सा लेते हैं। मगर 5वीं कक्षा में पढ़ने वाली श्रियोवी ने सभी को पीछे छोड़ दिया है। श्रियोवी अपनी तस्वीर 'इन द स्पॉटलाइट' के लिए 'वाइल्डलाइफ फोटोग्राफर ऑफ द ईयर' की रनरअप बन चुकी हैं।

पेरेंट्स के साथ घूमने गईं थीं श्रियोवी

दरअसल एक दिन सुबह श्रियोवी अपने माता–पिता के साथ राजस्थान के भरतपुर में स्थित केवलादेव नेशनल पार्क घूमने गईं थीं। पार्क में मॉर्निंग वॉक के दौरान उन्हें दो मोरनियों का जोड़ा दिखा। श्रियोवी दौड़ते हुए पिता के पास गईं और उनके हाथ से कैमरा छीन लिया। श्रियोवी जमीन पर लेटीं और कैमरे को बिल्कुल जमीन से सटाकर दोनों मोरनियों की खूबसूरत तस्वीर क्लिक की।

117 देशों के फोटोग्राफर्स ने लिया हिस्सा

वाइल्डलाइफ फोटोग्राफर ऑफ द ईयर के 60वें संस्करण में 10 से कम उम्र वाली कैटेगरी में श्रियोवी रनरअप यानी दूसरी विजेता रही हैं। बता दें कि इस प्रतियोगिता में 117 देशों के हजारों फोटोग्राफर्स ने हिस्सा लिया था। तकरीबन 60 हजार तस्वीरों में से श्रियोवी के द्वारा खींची गई फोटो दूसरी सबसे बेस्ट फोटो चुनी गई है।

श्रियोवी ने इस तस्वीर को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट किया है। मोर हमारा राष्ट्रीय पक्षी है। श्रियोवी ने लिखा कि मेरा दिल खुशियों से भर गया है। बता दें कि श्रियोवी के पिता भी फोटोग्राफर हैं। यह खिताब मिलने के बाद श्रियोवी वाइल्डलाइफ फोटोग्राफी जारी रखेंगी। उनका अगला टारगेट देश का राष्ट्रीय पशु बाघ है। वाइल्डलाइफ फोटोग्राफर ऑफ द ईयर बनने के लिए वो टाइगर की शानदार तस्वीर खींचना चाहती हैं।

लंदन में मिलेगा अवॉर्ड

8 अक्टूबर 2024 को श्रियोवी मेहता को लंदन में वाइल्डलाइफ फोटोग्राफर ऑफ द ईयर के रनरअप का अवॉर्ड दिया जाएगा। वाइल्डलाइफ फोटोग्राफर ऑफ द ईयर की प्रदर्शनी 11 अक्टूबर से शुरू होगी, जो कि 29 जून 2025 तक चलेगी। इस दौरान सभी 60 हजार तस्वीरों की प्रदर्शनी लगाई जाएगी।

सर्च ऑपरेशन में जुटे 200 जवान, 55 टीमें, बहराइच में 7 साल के बच्चे पर किया हमला

बहराइच, एजेंसियां

उत्तर प्रदेश के बहराइच में आदमखोर भेड़ियों की तलाश जारी है। पुलिस और जिला वन विभाग ने भेड़ियों को पकड़ने के लिए ड्रोन से तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। बहराइच डिवीजन के सर्किल ऑफिसर अभिषेक सिंह ने कहा कि जिला वन अधिकारी के साथ पूरी टीम भेड़ियों को पकड़ने के लिए सर्च ऑपरेशन में लगी है।

उन्होंने कहा कि ड्रोन के जरिए भेड़ियों के निशान मिले हैं। हमने इलाके में उनकी उपस्थिति को दर्ज किया है। एक दो दिन में दोनों भेड़ियों को पकड़ लिया जाएगा। बता दें कि बीते कुछ महीनों से बहराइच में भेड़ियों को आतंक देखा गया है। आदमखोर भेड़ियों ने इलाके में अभी तक 8 लोगों को मार डाला है। प्रशासन ने अभी तक चार भेड़ियों को पकड़ा है, जबकि 2 अन्य भेड़ियों को पकड़ने की तलाश जारी

है। बता दें कि भेड़ियों से बचाव और उन्हें पकड़ने के लिए पीएसी के 200 जवान, राजस्व विभाग की 32 और वन विभाग की 25 टीमें लगाई गई हैं। टीमों द्वारा दो भेड़ियों को पकड़ने के लिए हर संभव कोशिश की जा रही है। लेकिन अभी तक सफलता हाथ नहीं लगी है। बता दें कि भेड़ियों को पकड़ने के लिए प्रशासन का अभियान बीते 48 दिनों से जारी है।

मुताबिक महसी तहसील के हरदी और खैरीघाट क्षेत्र के लगभग 50 गांव प्रभावित हैं। प्रशासन ने अभी तक 4 भेड़ियों को पकड़ा है। बाकी चिन्हित दो भेड़ियों की तलाश जारी है। इसके लिए तीन थर्मल ड्रोन, चार पिंजरे, आधा दर्जन जाल और छह ट्रैपिंग कैमरे लगाए गए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक हरदी थाना क्षेत्र में भेड़िए ने एक बार फिर हमला किया है। भेड़िए ने घर में मां के साथ लेटे 7 वर्षीय बच्चे पर हमला किया। मामला मजरा जंगल पुरवा गांव का है। भेड़िया बच्चे को गर्दन से दबोच कर भागने की कोशिश कर रहा था, लेकिन बच्चे की चीख सुनकर परिजन जाग गए। शोर के चलते भेड़िया खेतों में भाग गया। भेड़िए के नए हमले के चलते एक बार फिर से इलाके में दहशत बढ़ गई है।

> बहराइच डिवीजन के सर्किल ऑफिसर अभिषेक सिंह ने कहा कि जिला वन अधिकारी के साथ पूरी टीम भेड़ियों को पकड़ने के लिए सर्च ऑपरेशन में लगी है।

रेल यात्रियों के लिए बड़ी खबर!

वेटिंग टिकट वालों को रास्ते में उतार सकता है टीटीई

नई दिल्ली: एजेंसी

इंडियन रेलवे समय–समय पर रेल यात्रा के नियमों में बदलाव करता करता रहता है। नियमों को बनाने के पीछे यात्रियों को ज्यादा सुविधाजनक यात्रा कराना होता है। हाल ही में रेलवे ने वेटिंग टिकट पर सख्ती बढ़ाते हुए एक नया नियम लागू करने का फैसला किया है। इस नियम के बाद अब आपका टिकट वेटिंग में है तो आप आप अउ या स्लीपर कोच में यात्रा नहीं कर सकेंगे, इसका मतलब, वेटिंग टिकट वाले आरक्षित डिब्बों में सफर नहीं कर पाएंगे।

रेलवे प्रशासन ने वेटिंग टिकट वालों को आरक्षित डिब्बों में सफर पर पांबदी लगा दी है। इसमें वो लोग भी आएंगे जो स्टेशन से ऑफलाइन टिकट खरीदकर

बैठे हैं। इस नियम को यात्रियों को होने वाली परेशानी को देखते हुए लागू करने का फैसला किया गया है। हालांकि रेलवे ने अभी तक इसको लेकर कोई आधिकारिक ऐलान नहीं किया है। कई बार यात्रा के लिए यात्री रेलवे स्टेशन से वेटिंग टिकट खरीद लेते हैं और आरक्षित डिब्बों में सफर करते हैं। इस दौरान यात्री अउ या स्लीपर का वेटिंग टिकट खरीदकर इस आरक्षित डिब्बों में सफर करते हैं।रेलवे का जो नियम है उसमें साफ कहा गया है कि अगर कोई व्यक्ति खिड़की से वेटिंग टिकट लेता है तो उसको रद्द कराकर पैसे वापस लेगा। लेकिन यात्री ऐसा ना करके बेधड़क ट्रेन में सफर करते हैं।

कितना लगेगा जुर्माना?

आधिकारिक तौर पर इस नियम का ऐलान नहीं किया गया है। इससे दूसरे यात्रियों को मुश्किलों का सामना करना पड़ता है, जिसकी वजह से ये फैसला लिया गया है। इसमें अगर आरक्षित डिब्बे में कोई वेटिंग टिकट पर सफर करने वाला यात्री मिलता है तो उसपर टीटीई 440 रुपये का जुर्माना लगाकर रास्ते में ही उतार सकता है। 440 रुपये का जुर्माना एसी कोच में सफर करने वालों पर लगेगा, और स्लीपर कोच में सफर करने वालों पर 250 तक का जुर्माना लगाकर अगले स्टेशन पर उतार दिया जाएगा। इसका दूसरा ऑप्शन ये भी है कि रास्ते में ना उतारकर उसको जनरल कोच में भी भेजा जा सकता है।

कोलकाता केस के आरोपी ने जेल में कर दी बड़ी डिमांड, रोटी–सब्जी से हुआ बोर

लखनऊ, एजेंसियां

कोलकाता केस में अभी तक सिर्फ आरोपी संजय रॉय की गिरफ्तारी हुई है। कोलकाता केस में अभी तक सिर्फ आरोपी संजय रॉय की गिरफ्तारी हुई है। ङ्ख''३ उङ्ख३ङ्ख१ उंरी: कोलकाता रेप और मर्डर केस का आरोपी संजय रॉय जेल की रोटी–सब्जी खाकर बोर हो गया है। आरोपी ने जेल अधिकारियों से अंडा चाऊमीन खाने की डिमांड कर दी। संजय रॉय को इस समय कोलकाता के प्रेसिडेंसी जेल में रखा गया है। इसी जेल में आरोपी ने जेल के खाने को लेकर अपनी नाराजगी जाहिर की।

आरोपी संजय रॉय ने जेल की रोटी–सब्जी को लेकर अपनी नाराजगी जाहिर की और पुलिस कर्मियों से अंडा–चाऊमीन की मांग कर दी। हालांकि न्यूज24 इस खबर की स्वतंत्र तौर पर पुष्टि

नहीं करता है। जेल के नियमों के मुताबिक सभी कैदियों को एक ही खाना परोसा जाता है। और जेल में सभी के लिए एक ही खाना तैयार किया जाता है। लिहाजा पुलिस ने संजय रॉय की डिमांड खारिज कर दी। रिपोर्ट के मुताबिक जेल अधिकारियों के समझाने पर संजय रॉय रोटी–सब्जी खाने के लिए तैयार हो गया। बता दें कि सीबीआई कस्टडी से प्रेसिडेंसी जेल लाए जाने के बाद संजय रॉय ने सोने के लिए अतिरिक्त समय की मांग की थी, और ज्यादातर समय बड़बड़ाता रहता था। हालांकि कुछ दिनों बाद सामान्य अवस्था में आ गया।कोलकाता स्थित आरजी कर अस्पताल की महिला डॉक्टर के रेप और मर्डर केस में अभी तक सिर्फ एक गिरफ्तारी हुई है। वह गिरफ्तारी कोलकाता पुलिस के सिविक वॉलंटियर संजय रॉय की गिरफ्तारी है। संजय रॉय को अभी न्यायिक हिरासत में रखा गया है।

सीबीआई ने मामले में शुक्रवार को लगातार 14वें दिन आरजी कर अस्पताल के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष से पूछताछ की। घोष से अभी तक 140 घंटे से ज्यादा समय तक पूछताछ हो चुकी है। कोलकाता केस के अलावा संदीप घोष अस्पताल में वित्तीय अनियमितताओं को लेकर जांच का सामना कर रहे हैं। इस मामले में घोष और अन्य के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है।

जैविक खाद का प्रयोग खेतों में किया जाएगा

अमरोहा। स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण जनपद अमरोहा के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2024 – 25 में विकासखंड धनौरा की ग्राम पंचायत चुचैला कला में फीकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट का शिलान्यास कार्यक्रम मुख्य अतिथि कँवर सिंह तँवर सांसद अमरोहा विशिष्ट अतीत राजीव तरारा विधायक धनौरा व जिलाधिकारी राजेश कुमार त्यागी की उपस्थिति में विधिवत पूजन अर्चन मंत्रोच्चार के साथ हवन पूजन कर ईंट रखकर शिलान्यास किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि फीकल स्लज ट्रीटमेंट प्लान्ट से शौचालयों के टैंक से निकलने वाले मल के शोधन के लिए स्थापित किया जा रहा है। सांसद, विधायक, जिला अधिकारी व मुख्य विकास अधिकारी जी ने परिसर में वृक्षारोपण भी किया।

इससे जहां प्रदूषण नियंत्रण में मदद मिलेगी वहीं प्लान्ट से तैयार होने वाली जैविक खाद का प्रयोग खेतों में किया जाएगा और मल शोधन के बाद निकले पानी से फसलों की सिंचाई भी की जा सकेगी। कहा कि जो कंपनी काम कर रही है वह पूरे जनपद से मल एकत्र कर यँहा पर लाएगी और यहीं पर ट्रीट करेगी। यह प्लांट 3 महीने में तैयार हो जाएगा और कंपनी 3 साल तक प्लांट का संचालन भी करेगी। सांसद कंवर सिंह तंवर ने कहा कि अदा करेगा। जनपद अमरोहा में यह बहुत बड़ी शुरुआत की गई है यह प्रोजेक्ट बहुत ही महत्वपूर्ण है अवश्य यह जनपद की तरक्की के लिए महत्वपूर्ण साबित होगा। विधायक राजीव तरारा ने कहा कि आपके जनपद में यह ट्रीटमेंट चुचैला कला में लगाया जा रहा है इसमें आप सब का सहयोग अपेक्षित है सभी लोग सहयोग करें। कहा कि जो शौचालय जनपद के भर जाएंगे उनको खाली करने के लिए स्लज को यहां पर लाया जाएगा और इसे मशीनों द्वारा ट्रीट कर जैविक खाद तैयार की जाएगी साथ ही साथ निकलने वाले पानी का फसलों की सिंचाई के लिए प्रयोग किया जाएगा इससे हमारे पर्यावरण को स्वच्छ रखने में बहुत सहयोग मिलेगा। हमारी गंगा मैया में जो अनावश्यक मैला गंदा पानी सीधे गंगा में गिराया जा रहा है जिससे गंगा मैया दूषित हो रही है उससे भी निजात मिल सकेगी। इस अवसर पर माननीय सांसद, विधायक, जिला अधिकारी व मुख्य विकास अधिकारी जी ने परिसर में वृक्षारोपण भी किया।

कार्यक्रम के पश्चात सांसद, विधायक, जिलाधिकारी राजेश कुमार त्यागी ने गौशाला का भी निरीक्षण किया और गायों को गुड़ खिलाया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र उप जिला अधिकारी धनोरा जिला पंचायत राज अधिकारी पारुल सिसोदिया खंड विकास अधिकारी धनोरा सहित अन्य संबंधित अधिकारी व बड़ी संख्या में ग्राम पंचायत चुचैला कला के ग्रामीण जन मौजूद रहे।

एक नजर

निराश्रित महिला (विधवा) पेंशन योजना के अन्तर्गत होगा आधार बेस भुगतान

सम्भल(सब का सपना):– निराश्रित महिला (विधवा) पेंशन योजना के अन्तर्गत लाभ प्राप्त कर रहे सभी लाभार्थियों को सूचित <किया जाता है कि शासन/निदेशालय विभाग द्वारा अवगत कराया गया है कि वित्तीय वर्ष 2024–25 में विभाग द्वारा संचालित पति की मृत्युपरान्त निराश्रित महिला (विधवा) पेंशन योजना के लाभार्थियों का भुगतान आधार बेस्ड प्रणाली के अन्तर्गत किया जायेगा। तत्क्रम में उक्त योजना के समस्त लाभार्थियों से अनुरोध है कि जिन लाभार्थियों के बैंक खातों में आधार लिंक (केवाईसी) अपडेट/DBT नहीं है, वे सभी लाभार्थी यथाशीघ्र अपने सम्बन्धित बैंक शाखा में जाकर अपने बैंक खाते में आधार लिंक (केवाईसी) अपडेट/उ्ळ कराने का कष्ट करें, जिससे वित्तीय वर्ष 2024–25 में सम्बन्धित लाभार्थी के बैंक खाते में निराश्रित महिला (विधवा) पेंशन की धनराशि प्राप्त हो सके।

शिक्षको को श्री अन्न पर प्रशिक्षण दिया

शामली :– कृषि विभाग द्वारा उत्तर प्रदेश मिलेट्स श्री अन्न पुनरोद्धार योजना अन्तर्गत प्रशिक्षण व क्षमता वर्धन हेतु बी आर सी स्तरीय अध्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम का बी आर सी सभा कक्ष बनत मे किया गया।
कृषि विज्ञान केन्द्र वैज्ञानिक डा. काम्या ने श्री अन्न मे पाये जाने वाले पोषक तत्वो आयरन , कैल्शियम, जिंक, फाइबर आदि के बारे मे शिक्षको को प्रशिक्षित किया। डा ओमकार ने रबी फसल प्रबंधन मे गेंहू, सरसो व दलहन उत्पादन की एकीकृत कृषि प्रणाली पर चर्चा की। उप कृषि निदेशक प्रमोद कुमार ने जैविक व परम्परागत तरीको से बीज व भूमि शोधन, कीट व बीमारियो के नियंत्रण के लिए बिवेरिया व ट्राईकोड्रमा, व श्री अन्न सांवा, कोदो, बाजरा, रागी के बारे मे बताया। मुख्य विकास अधिकारी विनय कुमार तिवारी के आदेशो के क्रम मे विकास 4 सितम्बर को कैराना, 5 सितम्बर को ऊन, 6 सितम्बर को कांधला और 7 सितम्बर को थानाभवन मे भी अध्यापक का प्रशिक्षण कराया जायेगा।इस मौके पर सहायक विकास अधिकारी बीरेन्द्र सिंह, अनुज, सोनु कुमार, अखिल आदि मौजूद रहे।

सड़क सुरक्षा के नियमों का पूरी तरह से करें पालन : जिलाधिकारी

अमरोहा। कलेक्ट्रेट सभागार में सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने पूर्व में हुई बैठक मे दिये गये निर्देश के अनुपालन की समीक्षा कर आवश्यक जानकारी लेकर सम्बन्धित को दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि संबंधित विभाग बैठक के तीन दिन उपरांत बैठक की अनुपालन आख्या परिवहन विभाग को उपलब्ध करा दें।

जिलाधिकारी राजेश कुमार त्यागी ने नगर पालिका परिषद के अधिशासी अधिकारी बृजेश कुमार को निर्देश देते हुए कहा कि स्ट्रीट वेंडर के लिए स्ट्रीट जॉन बनाया जाए जिसमें पार्क एवं पार्किंग की उचित व्यवस्था हो।

जिलाधिकारी ने संभागीय परिवहन अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि सभी आवश्यक जगहों पर रिफ्लेक्टर लगवाया जाए उसके साथ–साथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर अवैध कट और ब्लैक स्पॉट बंद किए जाएं जहां पर आवश्यक हो वहां पर कट भी बनाया जाय। कहा कि संभागीय परिवहन अधिकारी अभियान चला कर डग्गामार वाहनों पर प्रभावी कार्रवाई करें इसमें किसी भी प्रकार की कोताही न हो। जिलाधिकारी ने कहा कि बच्चों की सुरक्षा से कोई भी खिलवाड़ नहीं किया जाना चाहिए यह उनके जीवन से संबंधित है अधिक से अधिक लोगों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया जाए। रोड के किनारे के जो विद्यालय हैं जनपद में वहां पर स्पीड ब्रेकर प्राथमिकता के साथ होने चाहिए।जिलाधिकारी ने कहा कि संभागीय परिवहन अधिकारी द्वारा अभियान चलाकर बिना सीट बेल्ट, हेलमेट वाहन चलाने पर कार्यवाही की जाये।

प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ वंचित परिवारों को दिया जाए

अमरोहा,। जनपद के विकास खण्ड अमरोहा धनौरा और हसनपुर गंगेश्वरी में प्रधानमंत्री आवास योजना–ग्रामीण सर्वे–2024 के सम्बन्ध में जनपद के ग्राम प्रधानों एवं सचिवों की उन्मुखी करण गोष्ठी का आयोजन किया गया। वही विकासखंड अमरोहा सभागार में परियोजना निदेशक अमरेंद्र प्रताप सिंह और तहसील सदर के उप जिला अधिकारी सुधीर कुमार के नेतृत्व में ब्लॉक पंचायत सचिव और ग्राम प्रधानों को जरूरी दिशा निर्देश दिए गए।

इस दौरान विकासखंड सभागार में हुई गोष्ठियों के बारे में जानकारी देते हुए कि प्रधानमंत्री आवास योजना–ग्रामीण के अंतर्गत पात्रता अपात्रता के संशोधित मानदंड के आधार पर नवीन सर्वे कर वंचित पात्र परिवारों का नाम जोड़े जाने के निर्देश दिये और कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के इस सर्वे में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं की जानी चाहिए।प्राथमिकता के साथ पात्रता–अपात्रता के चयन के जो मानदंड दिए गए हैं उसके अनुसार सर्वे कर प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ वंचित परिवारों को दिया जाए। उन्होनें उपस्थित ग्राम प्रधानों को निर्देश देते हुये कहा कि ग्रामों में कोई भी पात्र घर से वंचित न रहे उन्होंने कहा यदि कोई व्यक्ति पात्र है और उनको घर मिले यह पुण्य का काम है। इसलिए इसमें किसी प्रकार की लापरवाही न करें। उन्होंने कहा कि सभी प्रधान ईमानदारी से कार्य करें पक्ष या विपक्ष न देखकर जो भी गांव में पात्र उसको नाम जुड़वाएं और गांव में खुली बैठक करें वहां जानकारी दें कि कौन पात्रता की श्रेणी में आता है और कौन अपात्रता।इस अवसर पर जिलाधिकारी ने विरासत, अंश निर्धारण आदि से संबंधित चर्चा की और ग्राम प्रधानों को निर्देश दिए कि गांव में इस प्रकार की समस्याओं को समाधान करने के लिए आगे आए और उन्होंने मतदाता पुनरीक्षण के लिए कहा कि घर–घर बी0एल0ओ0 जाकर नए नाम जोड़ रहे हैं जो नाम जोड़ने हैं उन्हें सहयोग करें और जो काटने हैं उन्हें कटवाने में मदद करें यदि कोई बी0एल0ओ0 घर–घर जाकर सर्वे नहीं कर रहा है तो उसकी सूचना उपलब्ध करायें।

बालक–बालिकाओं को सरकार संचालित विभिन्न अधिनियमों के सम्बन्ध में किया गया जागरूक

सम्भल/सब का सपना):– भारत सरकार द्वारा निर्गत कार्यक्रम संकल्प–ल्र्एह के अंतर्गत दिनांक 21 जून से 04 अक्टूबर 2024 तक 100 दिन का विशेष जागरूकता अभियान का कार्यक्रम निर्धारित किया गया है। **k100 Days Campaign**' के अन्तर्गत बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ की थीम पर जनपद स्तर पर जिलाधिकारी महोदय के दिशा निर्देशानुसार आज दिनांक 03.09.2024 को कार्यक्रम का आयोजन बनियाखेड़ा विकासखण्ड के राजेश कुमार सरस्वती विद्या मंदिर चंदौसी में किया गया। कार्यक्रम में ''विधिक जागरूकता सप्ताह'' के अंतर्गत बालक–बालिकाओं को सरकार द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं को उनके हितों एवं संरक्षण हेतु संचालित विभिन्न अधिनियमों के सम्बन्ध में जागरूक किया गया। जिसमें कार्यस्थल पर महिलाओं का लैंगिक उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध और प्रतितोष) अधिनियम–2013, दहेज प्रतिषेध अधिनियम–1961, बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम–2006, घरेलू हिंसा से महिला संरक्षण अधिनियम–2005, बाल एवं किशोर श्रम (प्रतिषेध और विनियमन) संशोधन अधिनियम–2016, शिक्षा का अधिकार अधिनियम–2009, किशोर न्याय (बालकों की देखरेख एवं संरक्षण) अधिनियम–2015, बालक अधिकार संरक्षण आयोग अधिनियम–2005 आदि विभिन्न अधिनियमों की जानकारी प्रदान की गयी। बालिकाओं को बताया गया कि यदि उनके साथ किसी व्यक्ति के द्वारा किसी भी प्रकार का कोई अपराध करने का प्रयास किया जाता है तो वे अपराध को चुपचाप न सहकर उसके विरूद्ध अपनी आवाज उठाते हुए उसकी शिकायत सम्बन्धित थाने अथवा वन स्टॉप सेन्टर पर आकर कर सकती हैं, जहां उनको एक ही छत के नीचे विभिन्न प्रकार की सहायता प्रदान की जाती है। बालिकाओं को गुड टच एवं बैड टच के सम्बन्ध में जागरूक किया गया। साथ ही सरकार द्वारा बालकों एवं महिलाओं के हितार्थ चलायी जा रही विभिन्न योजनाएं जैसे– मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना जिसमें बढ़ाई गई धनराशि जोकि 15000/– रू. से बढ़ा कर 25000/– रू. कर दी गई है, स्पॉसरशिप योजना जिसमें विभिन्न प्रकार के संकट से ग्रस्त बालकों की शिक्षा एवं पुर्नवास हेतु 4000 रू. की धनराशि प्रतिमाह प्रदान की जाती है, आदि के सम्बन्ध में विस्तार से बताते हुए अधिक से अधिक योजनान्तर्गत आवेदन करने हेतु जागरूक किया गया। सरकार द्वारा मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना के अन्तर्गतएवं निराश्रित विधवा महिला पेंशन योजना के सम्बन्ध में विस्तारपूर्वक बताया गया। 18 वर्ष से कम उम्र के बालक बालिकाओं के साथ हो रही यौन हिंसा से बचने व उसकी शिकायत करने, अपनी बात खुलकर रखने तथा उनके अधिकारों के बारे में जानकारी दी गई।

जिलाधिकारी ने किया विद्यालयों का निरीक्षण संबंधित को दिए निर्देश

सम्भल (बहजोई) :– जिलाधिकारी डॉ राजेन्द्र पैंसिया द्वारा विकासखण्ड बहजोई के पी. एम. श्री स्कूल प्राथमिक विद्यालय मुल्हैटा का निरीक्षण किया गया। सभी व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।एक्स ई एन आरई डी को निर्देशित करते हुए कहा कि विद्यालय के चारो तरफ सीसी रोड एवं पाथ वे तथा चहारदीवारी का एस्टिमेट तैयार किया जाए। लेखपाल को निर्देशित करते हुए कहा कि विद्यालय के पास स्थित भूमि की पैमाइश कराते हुए उसको विद्यालय में शामिल कराया जाए। जिलाधिकारी द्वारा ग्रामीणों से विद्यालय में श्रमदान भी कराया गया।जिलाधिकारी ने प्रार्थना सभा में बच्चों की रुचि के अनुसार पढाया।८

जिलाधिकारी ने जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि प्रधानाध्यापक कक्ष तथा विद्यालय की छत की मरम्मत कराना सुनिश्चित करें।ग्राम सचिव तथा ग्राम प्रधान को निर्देशित करते हुए कहा कि विद्यालय की वायरिंग अंडरग्राउंड की जाए तथा खिड़की पर शेड तथा विद्यालय में पेंट कराना सुनिश्चित किया जाए।विद्यालय का मुख्य गेट आगे की तरफ बनाया जाए। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि विद्यालय में एनजीओ के माध्यम से भी कार्य कराये जाएं। पोषण वाटिका तथा स्लोगन बनवाने को लेकर संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।विद्यालय के पीछे पक्का कराने तथा विद्यालय में रेनवाटर हार्वेस्टिंग को लेकर भी निर्देशित किया।विद्यालय में मिड डे मील के लिए शेड बनवाने को लेकर भी निर्देशित किया ?।

इसके उपरांत जिलाधिकारी द्वारा विकासखण्ड बहजोई के पी. एम श्री स्कूल संविलियन विद्यालय पाठकपुर का निरीक्षण किया गया। विद्यालय के प्रवेश द्वार के पास सीसी रोड़ बनवाने पोषण वाटिका को जाली से कवर कराने को लेकर भी संबंधित को निर्देशित किया।साफ़ सफाई की व्यवस्था खराब मिलने पर सफाई कर्मचारी को हटाने के निर्देश दिए।विद्यालय के सामने यू टाइप की नाली बनवाने को लेकर निर्देशित किया।

संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि शौचालय सही कराना सुनिश्चित करें।अंडरग्राउंड वायरिंग तथा खिड़की के आगे शेड तैयार कराने तथा पुट्टी कराते हुए पेंट कराने के भी निर्देश दिए।विद्यालय की छत की साफ़ सफाई कराने को लेकर भी निर्देशित किया तथा विद्यालय में सीढ़ी की व्यवस्था को लेकर भी निर्देशित किया ताकि छत की आसानी से सफाई हो सके। एलडीएम को निर्देशित करते हुए कहा कि पी. एम श्री स्कूल के बच्चों का डिजिटल गुल्लक के अन्तर्गत खाता खुलवाया जाए। मुख्य विकास अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि विद्यालय में झूलों की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, डिप्टी कलेक्टर आनंद कटारिया, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अलका शर्मा, जिला पंचायत राज अधिकारी उपेन्द्र कुमार पाण्डेय, डीपीओ आईसीडीएस, विकास खंड अधिकारी बहजोई अखिलेश कुमार सहित संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

भाकियू शंकर का नौगांवा तहसील में धरना – प्रदर्शन, 9 सितंबर को कलेक्ट्रेट घेराव का एलान

अमरोहा(सब का सपना):– भारतीय किसान यूनियन (शंकर) ने मंगलवार को नौगांवा सादात तहसील में उप जिलाधिकारी कार्यालय पर किसान समस्याओं को लेकर धरना–प्रदर्शन किया। इस दौरान संगठन के सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने दोपहर 12 बजे से धरना – प्रदर्शन करते हुए जमकर नारेबाजी भी की। ।जिसकी अध्यक्षता सरपंच हर ज्ञान सिंह व संचालन जिला अध्यक्ष सतपाल सिंह ने किया। भाकियू (शंकर) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी दिवाकर सिंह ने कहा कि दिल्ली से मुरादाबाद–लखनऊ को जाने वाली करीब एक दर्जन ट्रेनों में सामान्य कोच मात्र दो – दो ही रह गए है, जिस से रेल यात्रियों को काफ़ी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। मुरादाबाद से गजरौला होते हुए एक्सप्रेस ट्रेन का संचालन हरिद्वार तक किया जाना चाहिए। यात्रियों की समस्याओं को लेकर एक मांग पत्र अमरोहा सांसद कंवर सिंह तंवर व डीआरएम मुरादाबाद को सौपा जायेगा। हमारा संगठन ये भी मांग करता है कि प्रदेश की ऐसी चीनी मिलें जिन्होंने समय अवधि में गन्ना मूल्य भुगतान नहीं किया है, उन सभी चीनी मिलों का गन्ना क्षेत्रफल काटकर समय अवधि में भुगतान करने वाली चीनी मिलों को आवंटन किया जाए, इसके साथ ही चीनी मिलों का पेराई सत्र शुरू होने से पहले ही वर्तमान पेराई सत्र के लिए गन्ना मूल्य बढ़ाकर ?450 रुपए प्रति कुंतल करने की घोषणा की जाए, जिस से कि अधिकतम किसान इसका लाभ उठा सकें। इस दौरान तहसीलदार ने किसान समस्याओं का जल्द ही निस्तारण करने का आश्वासन दिया। जिलाध्यक्ष सतपाल सिंह अधाना ने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा खतौनियों में अंश निर्धारण व त्रुटियों को सही कराने का जो आदेश दिया गया था वह हवा – हवाई साबित होता दिखाई दे रहा है, राजस्व विभाग ने इस कार्य को गंभीरता से नहीं लिया है, जिस से किसानों को काफ़ी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। वहीं जिला संरक्षक चौधरी धर्मवीर सिंह ने कहा कि जनपद में आवारा पशुओं के साथ ही तेंदुए का आतंक भी लगातार बढ़ता जा रहा है, जिस कारण किसानों को खेतों में काम करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इसीलियें वन विभाग को अभियान चलते हुए पिंजरा लगाकर तेंदुए को पकड़कर जंगल में छोड़ देना चाहिए। वहीं तहसील अध्यक्ष बबीता रानी ने कहा कि जनपद भर में बीमारियों का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है, इसीलियें स्वास्थ्य विभाग को ग्रामीण क्षेत्रों में मेडिकल कैम्प लगाकर बीमार लोगों की जांच कराते हुए उन्हें दवाएं वितरित कराई जानी चाहिये। चौधरी रविपाल सिंह ने कहा कि हमें संगठन का विस्तार करना है इसके लिएं हमें गांव–गांव जाकर ग्राम अध्यक्ष बनाते हुए कार्यकारिणी बनानी है। वहीं जिला कार्यकारिणी द्वारा घोषणा की गई कि यदि 8 सितंबर तक संगठन की मांगों का निस्तारण नहीं किया जाता है तो भाकियू शंकर 9 सितंबर दिन (सोमवार) को अमरोहा कलेक्ट्रेट का घेराव करते हुए धरना–प्रदर्शन व आंदोलन को मजबूर होगा, जिसकी जिम्मेदारी पूर्ण रूप से शासन – प्रशासन की होगी।
इस दौरान चौधरी धर्मवीर सिंह, राकेश रतनपुर,राजवीर,नरपत सिंह,नेमपाल सिंह,बबिता रानी, अशोक चौधरी, प्रीति चौधरी, मंजीत कौर, टीकाराम सैनी, विजयपाल सिंह, विक्रम पवार, गजराम चौहान, जगत चौहान, इंद्रपाल सिंह, हरपाल सिंह, भूदेव सिंह, सुरेंद्र सिंह, युवराज, हेमराज, समरपाल, हेमेंद्र, कछ्छू भगत जी, सुखबीर सिंह, नानक सिंह बबली, अनूप सिंह, चमन सिंह, रवि पाल ,विलोकपाल सिंह, जगत सिंह चौहान, मनोज त्यागी समेत सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जनपद के समस्त ब्लॉको में होगा रोजगार मेलो का आयोजन

संभल : जिला सेवायोजन कार्यालय संभल के तत्वाधान से जनपद के समस्त ब्लॉक कार्यालयों में एक दिवसीय रोजगार मेलों का आयोजन किया जा रहा है, इसके लिए सेवायोजन विभाग संभल द्वारा चेकमेट इंडस्ट्रियल गार्ड लिमिटेड कंपनी, नोएडा के सहयोग से जनपद में दिनांक 04–09–2024 से 13–09–2024 तक जिसमे दिनांक 04–09–2024 असमोली, 05–09–2024 रजपुरा, 06–09–2024 गुन्नौर, 09–09–2024 जुनावाई, 10–09–2024 पंवासा, 11–09–2024 संभल, 12–09–2024 बहजोई, 13–09–2024 में ब्लॉक बनियाखेड़ा में राजकीय आई०टी०आई० चंदौसी के प्रागंण में रोजगार मेला लगाया जाएगा।
समस्त अभ्यर्थी जिनकी आयु 20 से 30 वर्ष एवम शैक्षिक योग्यता हाईस्कूल व इंटरमीडिएट रखते हो, सिक्योरिटी गार्ड भर्ती प्रक्रिया में प्रतिभाग कर सकते हैं। रोजगार मेला भर्ती पर कोई शुल्क नहीं है। रोजगार चाहने वाले अभ्यर्थी अपना पंजीकरण सेवायोजन विभाग की वेबसाइट १द्धत्रंह्ण्.रंध्क्ष्ेृ४स्र.ऋद्ध्र५.ड्ढ पर चयन से पूर्व अवश्य करा ले। अधिक जानकारी के लिए भर्ती अधिकारी श्री आशीष पांडे 6397026599 से संपर्क कर जानकारी प्राप्त कर सकते है।

मुरादाबाद को मिली 400 करोड़ रुपये की सौगात

मुरादाबाद। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हर काम देश के नाम और देश के लिए होना चाहिए। यही संकल्प प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पंचप्राण पर चलने का आह्वान किया है। हमें वही मार्ग चुनकर स्वामी विवेकानंद और अन्य महापुरुषों के सपनों का विकसित भारत बनाने में जुटना होगा। मुख्यमंत्री सोमवार को रामपुर रोड स्थित आर्यभट्ट इंटरनेशनल स्कूल में एक दिवसीय वृहद रोजगार मेला व नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मुरादाबाद में 400 करोड़ रुपये से अधिक की योजनाओं परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया गया है। यह प्रधानमंत्री के विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में सहायक बनेगा। उन्होंने बताया कि तीन महीने के अंदर विकास को पंख लग गया है। मूंढापांडे हवाई अड्डे से अब उड़ान की सेवा शुरू होने का लाभ यहां के किसानों और निर्यातकों को मिल रहा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मुरादाबाद में 400 करोड़ रुपये से अधिक की योजनाओं परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया गया है। यह प्रधानमंत्री के विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में सहायक बनेगा। उन्होंने बताया कि तीन महीने के अंदर विकास को पंख लग गया है। मूंढापांडे हवाई अड्डे से अब उड़ान की सेवा शुरू होने का लाभ यहां के किसानों और निर्यातकों को मिल रहा है।

मुरादाबाद उत्तर प्रदेश के विकास का ग्रोथ इंजन बनेगा। उन्होंने कहा कि विकास के पंख लगाने के लिए सरकार के पास विजन होना चाहिए। इसलिए ऐसे जनप्रतिनिधियों और सरकार को चुनने की जरूरत है।मुख्यमंत्री ने 2017 के पहले की प्रदेश में सपा सरकार के अपराधीकरण को रेखांकित कर सपा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि 2017 में उनकी सरकार बनने के बाद बेटी और व्यापारी दोनों सुरक्षित हैं। युवाओं को रोजगार और नौकरियां मिल रहा है। उन्होंने जेवर एयरपोर्ट का लाभ भी मुरादाबाद वालों को मिलने की बात कही। वहां फिल्मसिटी बनाने का लाभ भी गिनाया। गंगा एक्सप्रेस वे के फायदे मुख्यमंत्री ने गिनाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दो करोड़ युवाओं को रोजगार और नौकरी सरकार ने दी है।

उन्होंने कहा कि बैंक लोन देने का अनुपात 60 प्रतिशत पहुंच गया है। उन्होंने सपा के चाचा भतीजा रिश्ते को वसूली का कारखाना बताकर अप्रत्यक्ष रूप से सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव और शिवपाल सिंह यादव पर निशाना साधा। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज उत्तर प्रदेश के लोगों को दूसरे प्रदेशों में सम्मान मिला है। अब तक सरकार ने साढ़े छह लाख नौजवानों को नौकरियां दी है। उन्होंने पुलिस अकादमी में 74 डिप्टी एसपी को नौकरी देने की उपलब्धि भी गिनाए। उन्होंने पुलिस भर्ती परीक्षा को नकल विहीन कराने का उल्लेख किया। कहा कि आगामी दिनों में सात लाख लोगों को नौकरी और रोजगार देने की बात कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज प्रदेश देश का दूसरा बड़ा आर्थिक रूप से समृद्ध राज्य है और अगले तीन साल में उत्तर प्रदेश देश का नंबर एक और सबसे अग्रणी मजबूत आर्थिक रूप से सशक्त राज्य बनाने का संकल्प दोहराया। उन्होंने कांग्रेस, सपा पर तुष्टीकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा भाजपा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व सबका साथ, सबका विकास की प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है।

संक्षेप खबरें

आपत्तिजनक स्थिति में मिले प्रेमी–प्रेमिका; ग्रामीणों ने प्रेमी को पकड़कर पीटा

संभल/मनोज,। असमोली थाना क्षेत्र में प्रेम प्रसंग के चलते जंगल में प्रेमी व प्रेमिका को लोगों ने आपत्तिजनक स्थिति में पकड़ लिया। पंचायत के कहने पर परिजनों ने आनन–फानन में दोनों की शादी कर दी।

थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी युवती अपने परिजनों के साथ रहकर ईंट भट्टे पर काम करती थी। इसी ईंट भट्टे पर दूसरे गांव का निवासी युवक जेसीबी चलाता था। एक वर्ष पहले युवक व युवती के बीच प्रेम प्रसंग हो गया। जिसके बाद जब भी मौका मिलते लोगों से बेखबर युवक व युवती एक दूसरे से मिलते रहते थे।

गुरुवार को ईंट भट्टे के पास जंगल में दोनों प्रेमालाप में मग्न हो गए। लोगों ने युवक व युवती को आपत्तिजनक स्थिति में देखा तो प्रेमी की पकड़कर धुनाई कर दी। इसके बाद दोनों को पकड़कर ग्रामीण गांव ले आए। ग्राम प्रधान ने युवक व युवती के माता–पिता को भी बुला लिया। जिसके बाद पंचायत के कहने पर परिजनों ने आनन फानन में युवक व युवती की शादी कर दी।

अजगर ने बकरी को जकड़ा तो सहम गये ग्रामीण

संभल/गुन्नौर। गुन्नौर तहसील क्षेत्र में गन्ने के खेत में अजगर ने बकरी को जकड़ लिया और निगलने लगा। खेत में काम करने वाले किसान ने वन विभाग को सूचना दी। वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर बकरी को बचाया। रेस्क्यू करते हुए अजगर को जंगल में छुड़वा दिया।

तहसील क्षेत्र के गांव ईसमपुर डांडा में गन्ने के खेत में शनिवार को शाम करीब 4 बजे बकरी के मिमियाने की आवाज आई तो आसपास काम कर रहे किसानों ने खेत में जाकर देखा तो बकरी को अजगर ने जकड़ रखा था और उसे निगलने की तैयारी कर रहा था। किसानों ने इसकी सूचना वन विभाग को दे दी।

जिसके बाद वन विभाग से क्षेत्रीय वन अधिकारी बृजमोहन, वन दरोगा पीतम राम, वन रक्षक राजकुमार, जसवीर की टीम मौके पर पहुंच गई। वन विभाग की टीम ने कड़ी मशक्कत कर पहले बकरी को अजगर से छुड़ाया। वन विभाग की टीम ने रेस्क्यू कर अजगर को प्राकृतिक वास नौरा बैराज के जंगल में छुड़वा दिया।

मुख्यमंत्री रोजगार मेले में शामिल होने आ रही दिव्यांग युवती की हादसे में मौत

मुरादाबाद। अमरोहा से मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में शामिल होने आ रहे बाइक सवारों को तेज रफ्तार डंपर ने टक्कर मार दी। हादसे में दिव्यांग युवती की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि दो अन्य घायल हो गए। पुलिस ने दोनों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। डंपर चालक मौके से फरार हो गया। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कांठ क्षेत्र के सिघरीपुर निवासी प्रमोद अमरोहा में कलेक्ट्रेट कार्यालय में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी हैं। परिवार साथ में अमरोहा रहता है। वह सोमवार को शहर के भूड़ चौक निवासी दिव्यांग फूलजहां (28) और शाहीन परवीन (30) के साथ बाइक से घर से निकले थे। दोनों युवतियां महानगर में आयोजित मुख्यमंत्री रोजगार मेले में शामिल होने के लिए आ रही थीं। इसी दौरान दिल्ली–लखनऊ राष्ट्रीय राजमार्ग पर कटघर थाना क्षेत्र में पुराने टोल टैक्स के निकट पीछे से आ रहे तेज रफ्तार डंपर

कांठ क्षेत्र के सिघरीपुर निवासी प्रमोद अमरोहा में कलेक्ट्रेट कार्यालय में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी हैं। परिवार साथ में अमरोहा रहता है। वह सोमवार को शहर के भूड़ चौक निवासी दिव्यांग फूलजहां (28) और शाहीन परवीन (30) के साथ बाइक से घर से निकले थे। दोनों युवतियां महानगर में आयोजित मुख्यमंत्री रोजगार मेले में शामिल होने के लिए आ रही थीं। थाना क्षेत्र में पुराने टोल टैक्स के निकट पीछे से आ रहे तेज रफ्तार डंपर ने बाइक में टक्कर मार दी।

ने बाइक में टक्कर मार दी।सड़क हादसे में दिव्यांग फूलजहां की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं शाहीन परवीन और प्रमोद दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना स्थल पर लोगों की भीड़ जुट गई। इसी बीच डंपर चालक मौका पाकर वहां से भाग गया है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस की सूचना पर परिजन भी अस्पताल पहुंच गए। देर शाम तक पुलिस ने पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया। वहीं अन्य दोनों जिला अस्पताल में उपचाराधीन हैं। थाना प्रभारी ने बताया कि घटनास्थल से क्षतिग्रस्त बाइक और डंपर डंपर चालक मौके से फरार हो गया। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मुरादाबादः हाईटेंशन लाइन से टकराया डंपर, चालक–परिचालक की मौत

ठाकुरद्वारा (मुरादाबाद)। हाईटेंशन विद्युत लाइन से डंपर के टकराने पर चालक और मालिक के पुत्र (परिचालक) की करंट लगने से बिजनौर जिले के नूरपुर में मौत हो गई। मौत की सूचना पर परिजनों में कोहराम मचा हुआ है।

कोतवाली क्षेत्र के शरीफनगर निवासी मोहम्मद साहिर डंपर से उत्तराखंड से रेत बजरी लेकर नूरपुर (बिजनौर) की मंडी में बेचने का काम करता था। सोमवार को सुबह करीब सात बजे साहिर का बेटा सुहैल (18) और पड़ोसी चालक सैफुल (26)पुत्र तस्लीम अहमद डंपर में रेत भरकर नूरपुर पहुंचे। जहां एक रेत व्यापारी की जगह पर उन्होंने डंपर से रेत उतार दिया। इसके बाद डंपर हटाते समय उसकी ट्रॉली ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन लाइन से टकरा गई। जिससे डंपर में करंट दौड़ गया। जिसमें डंपर मालिक का बेटा सुहैल और चालक सैफुल करंट लगने से बेहोश हो गए हैं। इस दौरान रेत व्यापारी की दुकान

पर काम कर रहे लोगों ने शोर मचाया। लोगों ने दोनों को उठाकर गंभीर हालत में स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया। जहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर क्षेत्र में कोहराम मच गया।

करंट की चपेट में आकर जान गवांने वाले डंपर चालक के परिवार की आर्थिक स्थिति बहुत ही ज्यादा दयनीय है। मृतक सैफुल के पिता दूसरे ट्रक पर मजदूरी करने के लिए पंजाब गए हुए हैं। हादसे की सूचना मिलने पर वह पंजाब से घर के लिए रवाना हो गए। सैफुल के दो बच्चे हैं। जिसमें एक बेटा 7 साल का और दूसरी बेटी 3 साल की है। मृतक की पत्नी, मां और भाइयों का रो–रोकर बुरा हाल है।

डंपर मालिक साहिर का बेटा सुहैल इंटरमीडिएट होने पर पढ़ाई छोड़कर पिता के साथ कामकाज में लग गया था। उसने इसी वर्ष इंटरमीडिएट की परीक्षा दी थी, लेकिन फेल होने पर उसने पिता के साथ कामकाज में हाथ बंटाने का निर्णय लिया, लेकिन सोमवार सुबह को अचानक हुए हादसे में वह दुनिया को अलविदा कह गया। परिजनों के अनुसार सुहैल की शादी की भी तैयारी की जा रही थीं। उसकी मौत से शादी की खुशियां मातम में बदल गईं।

निर्माणाधीन गंगा एक्सप्रेस–वे पर मिट्टी में दबा मिला शव

बहजोईः निर्माणाधीन गंगा एक्सप्रेसवे की पर जमीन पर व्यक्ति का शव मिट्टी के नीचे दबा मिला। आधा घंटे की खुदाई के बाद शव को बाहर निकल गया। शव पर चोटों के निशान मिले। हत्या कर मिट्टी में शव दबाने की आशंका जताई जा रही है।

बहजोई के गांव राजपुर स्थित गंगा एक्सप्रेसवे की भूमि पर मिट्टी के नीचे से एक अज्ञात शव का हाथ नजर आ रहा था। ग्राम प्रधान के पति पंकज शर्मा ने पुलिस को सूचना दी। सूचना पर कोतवाल योगेश कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। मिट्टी की आधा घंटे तक खुदाई कराकर शव को बाहर निकाला। शव बुरी तरह से गल चुका था जिससे उसकी शिनाख्त नहीं हो पाई। मृतक के शव के साथ एक शराब की बोतल व प्लास्टिक की रस्सी मिली। गर्दन पर चोटों के निशान थे। आशंका जताई गई कि किसी ने अज्ञात व्यक्ति की हत्या कर शव को मिट्टी के नीचे दबा दिया होगा। फिलहाल पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

एसपी कुलदीप सिंह गुनावत के निर्देश पर फॉरेंसिक की टीम घटनास्थल पर पहुंच गई। जहां पर उन्होंने घटनास्थल का निरीक्षण किया। मौके पर सबूत जुटाने के लिए सैंपल लिए। वही मृतक के शव पर मिली चोटों के निशान भी देखें। मौके से मिली प्लास्टिक की रस्सी तथा शराब की बोतल को भी फॉरेंसिक टीम ने अपने कब्जे में लिया। सीओ, बहजोई दीपक कुमार तिवारी ने बताया कि शव की पहचान करने की कोशिश की जा रही है। मृत्यु होने के कारण का पता करने के लिए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

हाईवे पर गिरे बाइक सवारों को तेज रफ्तार वाहन ने रौंदा

संभल/रजपुरा,। मुरादाबाद–आगरा नेशनल हाईवे पर धनारी थाना क्षेत्र में मोपेड से टक्कर के बाद बाइक सड़क पर गिर गई। पीछे से आए तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने सड़क पर गिरे भाई और चचेरी बहन को रौंद दिया। चचेरी बहन की मौके पर ही मौत हो गई जबकि भाई ने अलीगढ़ के अस्पताल में दम तोड़ दिया। हादसे में घायल युवती समेत दो लोगों का अस्पतालों में उपचार शुरू कराया गया।

रजपुरा थाना क्षेत्र के गांव दादपुर निवासी छविराम का बेटा भोले उर्फ राजकुमार (18 वर्ष) सगी बहन पुष्पा (19 वर्ष) और चचेरी बहन अन्नू (15 वर्ष) पुत्री थान सिंह के साथ बाइक से सोमवार को सुबह करीब 10 बजे बहजोई कोतवाली क्षेत्र के गांव सादातबाड़ी शिव मंदिर पर जलाभिषेक करने जा रहा था। जैसे ही वह धनारी थाना क्षेत्र के गांव उधरनपुर अजमतनगर के समीप पहुंचे तो सामने से आ रहे बहीपुर निवासी सोमवीर कुशवाहा की मोपेड से टक्कर हो गई। जिससे बाइक और मोपेड सवार सड़क पर गिरकर घायल हो गए। तभी पीछे से आए तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने भोले और अन्नू को रौंद दिया। जिसमें अन्नू की मौके पर ही मौत हो गई। आसपास के लोग दौड़कर मौके पर पहुंचे। सूचना मिलने पर पुलिस पहुंच गई। घायलों को सीएचसी गुन्नौर ले जाया गया।

धर्मशाला में सोने पर युवक को उतारा मौत के घाट

संभल सदर कोतवाली क्षेत्र में धर्मशाला में सोने गए मजदूर की दो सगे भाइयों सहित चार लोगों ने मिलकर हत्या कर दी। शनिवार को श्मशान घाट के पास भरे पानी में मजदूर का शव पड़ा मिला। पुलिस ने मजदूर की हत्या करने वाले चारों लोगों को गिरफ्तार कर लिया।

कोतवाली क्षेत्र के मुहल्ला कबीर की सराय निवासी मजदूर अमीरचंद 30 वर्ष शुक्रवार की शाम हर रोज की तरह मुहल्ला के पास स्थित श्मशान घाट के पास धर्मशाला में सोने गया था। शनिवार की सुबह साथी मजदूरों ने धर्मशाला से ही मजदूरी करने के लिए बुलाकर ले जाने के लिए अमीरचंद का खाना ले लिया और धर्मशाला पर आ गए। देखा तो अमीरचंद धर्मशाला में नहीं था। आसपास में तलाश की तो उसका का शव अर्धनग्न अवस्था में श्मशान घाट के पास भरे पानी में पड़ा था। सूचना पर सीओ संभल अनुज

कुमार चौधरी, कोतवाली प्रभारी अनुज कुमार तोमर पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और पंचनामा भरकर शव पोस्टमार्टम को भेज दिया। पिता रामकृपाल ने तहरीर देकर बेटे अमीरचंद की हत्या करने के आरोप में मुहल्ला के ही रामकिशन, दलवीर, गुड्डू व मनोज के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। कोतवाली प्रभारी अनुज कुमार तोमर ने बताया कि तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस ने रामकिशन, दलवीर, मनोज व गुड्डू को गिरफ्तार कर लिया।

ट्रक और पिकअप की आमने–सामने की भिड़ंत, दो लोगों की मौत

संभलः । दहेज के लिए पत्नी की जला कर हत्या करने के मामले में पति को दोषी मानते हुए अदालत ने आठ वर्ष के कारावास और 6000 रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है। घटना 22 फरवरी 2016 को थाना हयातनगर के गांव रूदायन की है।

जनपद संभल के थाना रजपुरा क्षेत्र के गांव सलेमपुर निवासी वीरपाल ने 24 फरवरी 2016 को थाना रजपुरा में दीपक पुत्र दरबारी निवासी गांव रुदायन थाना हयातनगर जनपद संभल के खिलाफ दहेज उत्पीड़न की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जिसमें कहा गया था कि उसने अपनी बेटी गीता की शादी 10 माह पहले दीपक के साथ की थी।

शादी के एक माह बाद ही दीपक दहेज के लिए गीता को प्रताड़ित करने लगा। कई बार उसे मारपीट कर घर से निकाला गया था। 22 फरवरी को दीपक ने गीता से एक लाख रुपये लाने के लिए कहा था। गीता ने मना किया तो दीपक ने उस पर मिट्टी का तेल डाल कर आग लगा दी। जिससे गीता गंभीर रुप से झुलस गई। संभल के जिला संयुक्त चिकित्सालय से रेफर करने के बाद गीता को दिल्ली के राममनोहर लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया। जहां उपचार के दौरान दो मार्च 2016 की शाम करीब पौने सात बजे गीता ने दम तोड़ दिया। पुलिस ने मुकदमे में हत्या की धारा 304 बी बढ़ा दी थी और साक्ष्यों को जुटा कर अदालत में आरोप पत्र दाखिल कर दिया था। तब से मुकदमा न्यायालय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश (रेप केसेज एण्ड पॉक्सो एक्ट) संभल स्थित चन्दौसी में विचाराधीन था। अभियोजन पक्ष से सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता हरिओम प्रकाश उर्फ हरीश सैनी ने साक्ष्यों के आधार पर बहस करते हुए दलीलें पेश कीं।

यूपी पुलिस को मिले 74 नए डिप्टी एसपी, पुलिस अकादमी में ली परेड

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश को नए 74 पीपीएस अधिकारी मिल गए। सोमवार को डॉ. भीमराव आंबेडकर पुलिस अकादमी में दीक्षांत परेड में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सलामी ली। इस दौरान प्रशिक्षु प्रखर पांडेय को सर्वांग सर्वोत्तम का पुरस्कार दिया। इसके अलावा इनडोर टॉपर आकांक्षा पांडेय और आउटडोर टॉपर उदित नारायण पालीवाल को भी चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

चयनित 74 पीपीएस अधिकारियों को प्रशिक्षण के लिए डॉ. भीमराव आंबेडकर पुलिस अकादमी मुरादाबाद भेजा गया था। एक साल का प्रशिक्षण पूरा करने के बाद सोमवार को 74 पुलिस उपाधीक्षकों की तैनाती के लिए जिला आवंटित किया गया है। मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दीक्षांत परेड की सलामी ली। मुख्यमंत्री ने प्रयागराज के प्रखर पांडेय को सर्वांग सर्वोत्तम पुरस्कार से सम्मानित किया। इनडोर टॉपर सुलतानपुर की आकांक्षा पांडे और शिकोहाबाद के आउटडोर टॉपर उदित नारायण पालीवाल को अलंकृत किया। दरअसल, एक साल 15 दिन से 74 पीपीएस पुलिस अधिकारी अंतः कक्षीय

विषयों, बाह्य कक्षीय विषयों का प्रशिक्षण ले रहे थे। इनमें 18 महिला एवं 56 पुरुष पुलिस उपाधीक्षक शामिल हैं। प्रशिक्षण पूरा होने के बाद सोमवार को एडीजी अकादमी राजीव सभरवाल ने मुख्यमंत्री की मौजूदगी में सभी को शपथ दिलाई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी को उज्जवल भविष्य शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव गृह दीपक कुमार, पुलिस महानिदेशक प्रशांत कुमार, डीजी प्रशिक्षण तिलोत्तमा वर्मा समेत अन्य पुलिस अधिकारी मौजूद रहे।

पुलिस बल की कार्यप्रणाली तथा निरंतर बढ़ रहीं चुनौतियों को सफलतापूर्वक भेदने के लिए 74 प्रशिक्षुओं को विभिन्न विषयों का अध्ययन कराया गया है। अन्तः कक्षीय प्रशिक्षण के अंतर्गत कानून व्यवस्था, विधि, मानवाधिकारों, साइबर अपराध, पुलिस रेगुलेशन, विधि विज्ञान, भाषा ज्ञान से जुड़े विषयों का सैद्धांतिक–व्यावहारिक अध्ययन कराया गया है।

दंगा मुक्त, संगठित अपराधों को समाप्त करने का भी अध्ययन कराया गया है। इसके अलावा चुनावी कार्यक्रमों को सकुशल संपन्न कराने की भी दक्षता प्रदान कराई गई है।

तीन नए कानूनों का भी पढ़ाया पाठ

एक जुलाई से लागू हुए आपराधिक प्रक्रिया तय करने वाले तीन नये कानूनों में त्वरित न्याय सुनिश्चित करने के लिए पुलिस उपाधीक्षकों को पाठ पढ़ाया गया है। जिसमें एफआईआर दर्ज करने, जांच पूरी करने, अदालत के संज्ञान लेने, दस्तावेज दाखिल करने और ट्रायल पूरा होने के बाद फैसला सुनाने तक की समय सीमा तय है। इससे आम जनता को आसानी से न्याय मिल सके। ऐसे में वैज्ञानिक साक्ष्य एवं फोरेंसिक साइन्स और साइबर ऋइम, अपराधों की प्रवृत्ति में निरंतर परिवर्तन समेत अन्य तकनीकों का अध्ययन कराना आवश्यक हो गया है। जिससे आम जनता को दक्ष और पारदर्शी न्याय मिलने में आसानी हागी। इन जिलों में भेजे जाएंगे 74 डिप्टी एसपी प्रशिक्षण हासिल करने के बाद 74 डिप्टी एसपी को छह माह की अंडर ट्रेनिंग के लिए जिले आवंटित किए गए हैं। सर्वांग सर्वोत्तम पुरस्कार से सम्मानित प्रखर पांडेय को बुलंदशहर, उदित नारायण पालीवाल को गोंडा, आकांक्षा पांडेय को रायबरेली, कुलवीर सिंह को कन्नौज, अमित पाठक को हाथरस, भूपेश कुमार पांडेय को बरेली, शांभवी त्रिपाठी को भदोही, गरिमा पंत को बाराबंकी, प्रियम राजशेखर पांडेय को संतकबीरनगर, अजय कुमार को बरेली, राज सिंह यादव को बहराइच, ऋषभ यादव को लखनऊ, आलोक कुमार सिंह को श्रावस्ती, राहुल यादव को हापुड़, नितीश कुमार तिवारी को मेरठ, विशाल गुप्ता को अंबेडकरनगर, प्रवीण कुमार यादव को हरदोई, सौम्या अस्थाना को मेरठ, रोहन चौरसिया को बागपत, कुंजलता को प्रयागराज, कृष्णकांत त्रिपाठी को हमीरपुर, प्रगति चौहान को बांदा, इशिका सिंह को शाहजहांपुर, अतुल शर्मा को रामपुर, पुनीत मिश्रा को औरैया, फहद अली को चित्रकूट, शशांक शेखर त्रिपाठी को प्रतापगढ़ भेजा जाएगा।

नामेंद्र कुमार को चंदौली, कीर्तिका सिंह को एटा, दिनेश कुमार मिश्रा को अमेठी, आयुषी सिंह को बुलंदशहर, अंबुज सिंह यादव को गाजियाबाद, जितेंद्र सिंह को मऊ, दीपशिखा वर्मा को महराजगंज, धनंजय को अलीगढ़, सच्चिदानंद सिंह को इटावा, अजय वर्मा को फतेहगढ़, दुर्गेश दीप को फतेहपुर, प्रवीन प्रकाश को सिद्धार्थनगर, आलोक कुमार को कानपुर देहात, ऋषिका सिंह को बिजनौर, शिखा भारती को मिर्जापुर, अनुष्का को लखनऊ, राज सोनकर को सोनभद्र, अरविंद सोनकर को शामली, शुभम कुमार सिंह को वाराणसी, सुनील कुमार को ललितपुर, राजीव कुमार सिंह को गोरखपुर, जितेंद्र कुमार को बलरामपुर, विजय प्रताप सिंह को वाराणसी, आशुतोष कुमार को सुल्तानपुर, तेजस त्रिपाठी को फिरोजाबाद, प्रिया यादव को सहारनपुर, आसमा वकार को झांसी, विवेक कुमार तिवारी को गोरखपुर, उमेश यादव को गौतमबुद्धनगर, शकील मोहम्मद को गौतमबुद्धनगर भेजा जाएगा।

यूपी में रुक जाएगी करीब 2.5 लाख सरकारी कर्मचारियों की सैलरी

लखनऊ उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार की ओर से राज्य के करीब 2.5 लाख कर्मचारियों को वेतन रोकने की चेतावनी दी गई है। आपको बता दें कि राज्य के सभी सरकारी कर्मचारियों को अपनी चल और अचल संपत्ति का ब्यौरा ऑनलाइन संपदा पोर्टल पर अपलोड करने को कहा गया था। इसके लिए आखिरी तारीख 31 अगस्त तय की गई थी। हालांकि, बड़ी संख्या में कर्मचारियों ने ये काम नहीं किया। इस कारण सरकार इनकी सैलरी रोकने की तैयारी में है। पहले खबर आई थी कि कर्मचारियों की अगस्त महीने की सैलरी रोक दी गई है। हालांकि, यूपी सरकार ने कर्मचारियों को 1 महीने का और वक्त दिया है। ये सरकार की ओर से आखिरी अल्टीमेटम माना जा रहा है।

आपको बता दें कि राज्य के सभी सरकारी कर्मचारियों को अपनी चल और अचल संपत्ति का ब्यौरा ऑनलाइन संपदा पोर्टल पर अपलोड करने को कहा गया था। इसके लिए आखिरी तारीख 31 अगस्त तय की गई थी। हालांकि, बड़ी संख्या में कर्मचारियों ने ये काम नहीं किया। इस कारण सरकार इनकी सैलरी रोकने की तैयारी में है। पहले खबर आई थी कि कर्मचारियों की अगस्त महीने की सैलरी रोक दी गई है। हालांकि, यूपी सरकार ने कर्मचारियों को 1 महीने का और वक्त दिया है। ये सरकार की ओर से आखिरी अल्टीमेटम माना जा रहा है।

क्यों रोका गया है वेतन?

उत्तर प्रदेश में अपनी चल और अचल संपत्ति का ऑनलाइन ब्यौरा न देने वाले राज्य सरकार के करीब ढाई लाख कर्मचारियों का वेतन रुकने का डर है। दरअसल, 2,44,565 राज्य कर्मचारियों की संपत्ति का ब्यौरा मानव संपदा पोर्टल पर अपलोड नहीं हो पाया। यूपी सरकार की विभिन्न विभागों की रिपोर्ट के आधार पर इन सभी कर्मचारियों का वेतन रोके जाने की तैयारी है।

क्या है सरकार का नियम?

जानकारी के मुताबिक मात्र 71 फीसदी कर्मचारियों ने ही अपनी चल और अचल संपत्ति की जानकारी अपलोड की है। आईएएस, आईपीएस, पीपीएस, पीसीएस अफसरों की तर्ज पर राज्य कर्मचारियों को भी ऑनलाइन संपत्तियों का ब्यौरा देना अनिवार्य किया गया है। हालांकि शिक्षकों, निगम कर्मचारी, स्वायत्तशासी संस्थाओं के कर्मचारियों को इसमें शामिल नहीं किया गया।

प्रमोशन भी रुक सकता है

जानकारी के मुताबिक, उत्तर प्रदेश सरकार के चीफ सेक्रेटरी ने सभी विभागों के प्रमुखों को पत्र लिखा था। पत्र में कहा गया था कि सभी सरकारी कर्मचारी 31 अगस्त तक चल-अचल संपत्ति घोषित करें नहीं तो उनका प्रमोशन नहीं होगा। इसके साथ ही कर्मचारियों की अगस्त महीने की सैलरी भी नहीं आएगी। सरकारी कर्मियों को संपत्ति घोषित करने का निर्देश पहले भी दिया जा चुका है लेकिन संतोषजनक रिस्पांस नहीं मिलने पर सरकार ने कड़ा फैसला लिया है।

संक्षेप खबरें

बांके बिहारी मंदिर के सेवायत के घर लूट मामले का हुआ खुलासा

मथुराः शहर के विश्व प्रसिद्ध बांके बिहारी मंदिर के सेवायत के घर हुई लूट के मामले में पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। दरअसल, बांके बिहारी मंदिर के सेवायत के घर हाल ही में लूट की एक घटना सामने आई थी। इसके घटना के बाद से ही पुलिस आरोपियों के तलाश में जुटी हुई थी। वहीं गुरुवार की रात पुलिस को बदमाशों के बारे में जानकारी मिली, जिसके बाद पुलिस ने उनका पीछा भी किया। इस दौरान पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ भी हुई। मुठभेड़ के बाद पुलिस ने दो बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया। इन बदमाशों ने ही मामले का खुलासा किया है।

थाना वृंदावन कोतवाली इलाके में हाल ही में लूट की एक वारदात सामने आई थी। इस मामले के बाद पुलिस बदमाशों की तलाश कर रही थी। इसी बीच पुलिस को बदमाशों के बारे में इनपुट मिला, जिसके बाद पुलिस की टीम ने उनका पीछा किया। इस बीच वृंदावन पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ भी हुई। पुलिस ने मुठभेड़ के बाद दो शातिर लुटेरों को गिरफ्तार कर लिया। घायल बदमाशों को पुलिस ने इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। इसके अलावा पुलिस की पूछताछ में बदमाशों ने खुलासा किया कि मंदिर के सेवायत की पत्नी ने ही लूट की साजिश रची थी। बदमाशों ने किया साजिश का खुलासा घायल बदमाशों ने बताया कि बांके बिहारी मंदिर के सेवायत अनंत गोस्वामी की पत्नी ही इस पूरे लूट कांड की मास्टमाइंड थी।

दरोगा जी की पत्नी के साथ ही हो गई लूट, शॉपिंग कर लौट रही थीं घर

प्रतापगढ़ जिले में बेखौफ बदमाशों ने दरोगा की पत्नी के साथ दिनदहाड़े छिनैती की घटना को अंजाम दे दिया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच पड़ताल में जुट गई। पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है। इलाके के सीसीटीवी फुटेज खंगाला जा रहा है। बता दें कि पुलिस लाइन में तैनात दरोगा श्याम सुंदर सिंह की पत्नी इंद्रा सिंह अपनी सहेली के साथ अंतू इलाके के बभनी गांव स्थित एक कपड़े की दुकान पर शॉपिंग करने गई थी। शॉपिंग करके लौटते वक्त अज्ञात बाइक सवार बदमाशों ने शुकुलपुर मोड़ के पास छिनैती की वारदात को अंजाम दिया। सूचना पर गड़वारा चौकी प्रभारी राकेश चौरसिया , अंतू के सब इंस्पेक्टर समेत भारी पुलिस बल मौके पर पहुंच कर मामले की जांच पड़ताल में जुट गई। गड़वारा चौकी प्रभारी ने बताया कि महिला के गले से चेन की छिनैती हुई है। बदमाशों को चिन्हित करने के लिए इलाके के सीसीटीवी को खंगाला जा रहा है। जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।हाल में ही कुछ दिन पहले नोएडा सेक्टर 42 में पुलिस और बदमाशों की बीच फायरिंग हुई। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में अभियुक्त गौतम के दाहिने पैर में गोली लगी। दरअसल ये आरोपी मोबाइल और चैन की छिनैती में संलिप्त थे। दरअसल पूरा मामला नोएडा सेक्टर 24 का है। यहां पुलिस ने केटीएम बाइक से मोबाइल और चैन की छिनैती करने वाले तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया था। गिरफ्तार अभियुक्तों में कालू, अनिकेत गुप्ता और गौतम शामिल है। पुलिस ने गिरफ्तारी के बाद जब इनकी तलाशी ली तो उनके पास से एक नाजावज चाकू, एक तमंचा और 315 बोर के जिंदा कारतूस समेत 10 हजार रुपये नकद बरामद हुए।नोएडा पुलिस के हाथ लगी सफलता

इसके बाद जब पुलिस ने अभियुक्तों से पूछताछ की तो एक अभियुक्त गौतम ने तीन दिन पहले सेक्टर 39 थाना क्षेत्र के सेक्टर 100 के सामने एक व्यक्ति से सोने की चैन छीनने की बात स्वीकार कर ली। उसने बताया कि इस घटना को अंजाम देते वक्त उसके साथी भी साथ थे। अभियुक्त गौतम ने बताया कि छिनैती का सामान उसने नोएडा के सेक्टर 42 के जंगल में छिपाया हुआ है। सामान की बरामदगी के लिए जब सेक्टर 39 थाना और सेक्टर 24 थाना की पुलिस की संयुक्त टीम सेक्टर 42 के जंगल में पहुंची तो अभियुक्त गौतम ने एक बैग खोजकर निकाला। इस दौरान उसने बैग से तमंचा निकाल लिया और पुलिस को जान से मारने की नीयत से उसने फायरिंग शुरू कर दी।

यूपी में फुटबॉल के लिए सीएम योगी ने किया बड़ा ऐलान

लखनऊ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कहा कि भारतीय फुटबॉल संघ की अपेक्षा के अनुसार राज्य में फुटबॉल खेल के लिए एक हजार मैदान विकसित किए जाएंगे। योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को ₹मुख्यमंत्री कप₹ के तहत यहां केडी सिंह बाबू स्टेडियम में आयोजित 'मोहन बागान' और 'ईस्ट बंगाल' फुटबॉल मैच की शुरुआत से पहले अपने संबोधन में यह घोषणा की। एक आधिकारिक बयान के अनुसार सीएम योगी ने कहा, ₹प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में पिछले दस वर्षों में खेल और खेल गतिविधियां तेजी के साथ आगे बढ़ी हैं।₹

उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने खेलो इंडिया के माध्यम से जहां खेल कार्यक्रमों को आगे बढ़ाया है, वहीं उनकी प्रेरणा से प्रदेश ने इसे एक नयी दिशा देने का कार्य किया है। इसी के तहत प्रदेश में 57 हजार ग्राम पंचायतों में एक-एक खेल का मैदान बनाया जा रहा है।₹ सीएम ने कहा, ₹इसके अलावा 825 विकासखंडों में एक-एक मिनी स्टेडियम और सभी 75 जनपदों में एक-एक स्टेडियम बनाने का काम प्रगति पर चल रहा है।₹ उन्होंने घोषणा की, भारतीय फुटबॉल संघ की अपेक्षा के अनुसार प्रदेश में फुटबॉल खेल के लिए एक हजार मैदान भी विकसित किए जाएंगे।

खेल में यूपी का अहम योगदान

सीएम योगी ने कहा, फुटबॉल संघ ने सभी जनपद और 18 मंडल में एक-एक स्टेडियम फुटबॉल के लिए समर्पित करने की अपेक्षा की है। हम उन्हें बता दें कि सरकार भी यह चाहती है ताकि खेल और खेलकूद की गतिविधियां आगे बढ़ें।₹ उन्होंने कहा कि हमेशा खेल जगत में उत्तर प्रदेश का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद और हॉकी के मशहूर खिलाड़ी केडी सिंह बाबू उत्तर प्रदेश की ही माटी के सपूत थे। इस स्टेडियम का नाम भी केडी सिंह बाबू के नाम पर ही रखा गया है। सीएम ने कहा कि सरकार ओलंपिक, राष्ट्रमंडल खेल, एशियाई खेल, विश्व चैंपियनशिप आदि में पदक जीतने वाले 500 से अधिक खिलाड़ियों को सीधी भर्ती के माध्यम से अलग-अलग सेवा में सरकारी नौकरी दे चुकी है। सरकार इसे आगे भी जारी रखेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पेरिस के ओलंपिक में उत्तर प्रदेश के भारतीय हॉकी टीम के दो खिलाड़ियों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया है। इसमें एक भारतीय हॉकी टीम के सदस्य हॉकी खिलाड़ी ललित कुमार उपाध्याय को पिछले वर्ष ही उप्र पुलिस में पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) के पद पर तैनाती दे चुके हैं। वहीं अब हॉकी खिलाड़ी राज कुमार पाल को भी उप्र पुलिस में डिप्टी एसपी के पद पर सीधी तैनाती देने जा रहे हैं।

नवरात्रि से पहले सड़कों की मरम्मत न करने वाले कॉन्ट्रैक्टर जाएंगे जेल

औरंगाबादः उत्तर प्रदेश में हर घर नल से जल में पाइप लाइन बिछाने के लिए खोदी गई सड़कों की मरम्मत न करने और नल कनेक्शन की गलत रिपोर्टिंग करने वाली एजेंसियों को ब्लैकलिस्ट कर कॉन्ट्रैक्टर को जेल भेजा जाएगा। साथ ही संबंधित अधिशासी अभियंता को भी निलंबित किया जाएगा। प्रदेश के कई जिलों से पाइप लाइन बिछाने के बाद एजेंसी द्वारा सड़क की मरम्मत न करने की आ रही शिकायतों को देखते हुए राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन ऐसे कॉन्ट्रैक्टर और एजेंसियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करने की तैयारी कर रहा है।'नमामि गंगे' और ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने ऐसी सभी एजेंसियों और अधिशासी अभियंता के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के निर्देश राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन के अधिशासी निदेशक को दिए हैं। मिशन के अधिशासी निदेशक बृजराज सिंह यादव ने इस बाबत जल निगम ग्रामीण के सभी अधिशासी अभियंताओं और जल जीवन मिशन के सभी कॉन्ट्रैक्टर को पत्र लिखकर नवरात्रि से पहले सभी सड़कों को दुरुस्त करने और कनेक्शन वाले गांवों में नियमित जलापूर्ति करने को कहा है।अधिशासी निदेशक की तरफ से लिखे गए पत्र में निर्देश दिया गया है कि शारदीय नवरात्रि यानि 3 अक्टूबर से पहले पाइप लाइन बिछाने के लिए खोदी गई सड़कों की मरम्मत का काम पूरा कर लिया जाए। साथ ही जिन योजनाओं में घरों में जलापूर्ति शुरू होने की रिपोर्ट बनाई गई है, लेकिन वास्तविक रूप से पानी की सप्लाई नहीं हो रही है, वहां तुरंत नल से क्लोरीन युक्त जल की नियमित सप्लाई की जाए। ऐसा न करने वाले संबंधित इंजीनियर और कॉन्ट्रैक्टर के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी।

हाल ही में विभागीय समीक्षा के दौरान कई जिलों से ये शिकायतें आई थीं कि पाइप लाइन बिछाने और हाइड्रो टेस्टिंग के बाद भी सड़कों की मरम्मत का काम नहीं किया गया है जिसकी वजह से दिक्कतें आ रही हैं। जनप्रतिनिधियों ने भी इसको लेकर शिकायत की थी।

नवाब सिंह यादव ने ही किशोरी के साथ किया था दुष्कर्म, रिपोर्ट में खुलासा

नई दिल्लीः समाजवादी पार्टी के पूर्व नेता नवाब सिंह यादव की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं। किशोरी के साथ दुष्कर्म के मामले में डीएनए जांच में दुष्कर्म की पुष्टि हो चुकी है। वहीं, इस घटना में फंसने के बाद ही पार्टी ने उनसे पल्ला झाड़ लिया था। सपा के कन्नौज जिला अध्यक्ष कलीम खान ने कहा था कि वह किसी भी तरह से समाजवादी पार्टी का सदस्य नहीं है। वह करीब पांच साल से पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल था औ वह पार्टी का सक्रिय सदस्य नहीं है।

नवाब के भाई नीलू यादव को भी मामले में घटना के साक्ष्य प्रभावित करने को लेकर पुलिस लगातार ढूंढ रही है। फरार नीलू पर 25 हजार रुपये का इनाम भी घोषित है। अधिकारी दुष्कर्म के आरोपी की संपत्ति की जांच भी कर रहे हैं। ऐसे में प्रशासन नवाब के खिलाफ चौतरफा कार्रवाई की तैयारी कर रहा है।

पूर्व ब्लॉक प्रमुख नवाब सिंह यादव पर नाबालिक के साथ दुष्कर्म के आरोप हैं। जेल भेजे जाने के बाद नवाब ने डीएनए सैंपल जांच की मांग की थी। सोमवार को डीएनए जांच रिपोर्ट सामने आई और एसपी अमित कुमार आनंद के अनुसार नाबालिक किशोरी के साथ पूर्व ब्लॉक प्रमुख का डीएनए सैंपल मैच कर गया है। जिसके बाद एसपी ने मामले में दुष्कर्म की पुष्टि की। 11 अगस्त की रात नवाब को उनके ही कॉलेज में आपत्तिजनक हालत में पुलिस ने गिरफ्तार किया था। मौके पर एक महिला और एक नाबालिग लड़की भी थी। नाबालिक किशोरी और महिला आपस में बुआ भतीजी हैं। किशोरी ने पूर्व ब्लॉक प्रमुख पर छेड़छाड़ और दुष्कर्म का आरोप लगाया था।

दिनदहाड़े ज्वैलर्स की दुकान में डकैती

हरिद्वार में ज्वैलर्स शोरूम पर दिनदहाड़े डकैती की वारदात होने से हड़कंप मच गया। दोपहर करीब डेढ़ बजे शहर के व्यस्ततम रानीपुर मोड़ पर स्थित बालाजी ज्वैलर्स पर पांच हथियारबंद बदमाशों ने धावा बोल दिया। बदमाशों ने शो रूम के स्टाफ और वहां मौजूद लोगों पर मिर्च वाला स्प्रे उड़ाया और उसके बाद तमंचे से फायरिंग करते हुए डकैती डाली।

बालाजी ज्वैलर्स शो रूम पर हुई डकैती में बदमाश करीब 5 करोड़ रुपए के जेवर लेकर फरार हो गए। दिनदहाड़े डकैती की सूचना शहर में जंगल की आग की तरह फैल गई। सूचना पाते ही पुलिस के आला अधिकारी मौके पर पहुंचे और जांच पड़ताल शुरू की। डकैती की वारदात सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हो गई है। इस दौरान स्थानीय लोगों और ज्वैलर्स कारोबारी में पुलिस की कार्यशैली को लेकर नाराजगी भी दिखाई दी। एसएसपी प्रमेंद्र सिंह डोबाल ने दावा किया कि जल्द बदमाशों को पड़कर घटना का खुलासा किया जाएगा।

पुलिस ने बताया कि बदमाशों को पकड़ने के लिए पुलिस की कई टीमें गठित की गईं हैं। उधर, दिनदहाड़े ज्वेलरी की दुकान में लूटपाट की घटना के बाद व्यापारियों ने पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाया है।

पुलिस ने शुरू की जांच हरिद्वार के रानीपुर मोड़ के पास ज्वैलर्स शो रूम में घुसकर हथियारबंद बदमाशों ने डकैती के बाद फरार बदमाशों को पकड़ने के लिए पुलिस ने कई टीमों को गठन किया है। पुलिस और सीआइयू की टीम मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल में जुट गई। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे खंगालते हुए बदमाशों की धरपकड़ शुरू कर दी गई है। शहर में जगह-जगह पुलिस ने नाकाबंदी कर चेकिंग अभियान शुरू कर दिया है। सभी आरोपी हरियाणा नंबर की बाइक पर सवार थे।

आवश्कता, नाम परिवर्तन, खोया-पाया, सार्वजनिक सूचना विज्ञापन कम दरों में

सब का सपना क्लासीफाइड के साथ लाखों तक पहुँचाइये अपनी बात

अपना विज्ञापन बुक करवाने के लिये संपर्क करें
9456884327

देह व्यापार का भंडाफोड़, स्पा सेंटर से पकड़े गए 20 लड़के और लड़कियां

प्रयागराजः शहर में स्पा सेंटर के आड़ में देह व्यापार के खेल का कुलासा हुआ है। पुलिस ने इस पूरी गैंग का पर्दाफाश किया है। पूरा मामला शुक्रवार रात का बताया जा रहा है, जब पुलिस ने प्रयागराज के एक स्पा सेंटर पर छापा मारा। पुलिस की छापेमारी में स्पा सेंटर के अंदर से देह व्यापार में लिप्त कई युवक और युवतियां पकड़े गए। वहीं पुलिस ने सभी लोगों को पकड़ लिया और इनसे पूछताछ की जा रही है। पुलिस को स्पा सेंटर के अंदर से कई आपत्तिजनक वस्तुएं भी मिली हैं। बताया जा रहा है कि स्पा सेंटर के अंदर से 13 लड़कियों और 7 लड़कों को पकड़ा गया है।

पुरा मामला शुक्रवार रात का बताया जा रहा है, जब पुलिस ने प्रयागराज के एक स्पा सेंटर पर छापा मारा। पुलिस की छापेमारी में स्पा सेंटर के अंदर से देह व्यापार में लिप्त कई युवक और युवतियां पकड़े गए। वहीं पुलिस ने सभी लोगों को पकड़ लिया और इनसे पूछताछ की जा रही है। पुलिस को स्पा सेंटर के अंदर से कई आपत्तिजनक वस्तुएं भी मिली हैं।

गैलेक्सी होटल के अंदर चल रहा था स्पा सेंटरः पूरा मामला प्रयागराज जिले के सिविल लाइंस रोडवेज बस स्टैंड के पास का बताया जा रहा है। यहां बस स्टैंड के बगल में स्थित गैलैक्सी होटल पर पुलिस ने छापेमारी की। पुलिस को जानकारी मिली थी कि गैलेक्सी होटल के अंदर स्पा सेंटर की आड़ में देह व्यापार का काम किया जा रहा है।

जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने ग्लैक्सी होटल में संचालित स्पा सेंटर पर छापेमारी की। पुलिस ने शुक्रवार की रात करीब 9 बजे इस स्पा सेंटर पर छापेमारी की। पुलिस की ठापेमारी पड़ते ही इलाके में हड़कंप मच गया।

कई आपत्तिजनक वस्तुएं बरामद

पुलिस ने गैलेक्सी होटल के अंदर संचालित स्पा सेंटर से 13 लड़कियों और 7 लड़कों को पकड़ा है। बताया जा रहा है कि पकड़े गए ये सभी लोग आपत्तिजनक हालत में थे। इसके अलावा स्पा सेंटर के अंदर से कई आपत्तिजनक वस्तुएं भी बरामद हुई हैं। फिलहाल पुलिस पकड़े गए लड़के और लड़कियों से पूछताछ कर रही है। बताया जा रहा है कि शहर के गैलैक्सी होटल के अंदर स्पा सेंटर की आड़ में देह व्यापार का काम कई दिनों से संचालित किया जा रहा था, जिसका पुलिस ने पर्दाफाश किया है।

अपने संस्थान को दे नई तरक्की

एजुकेशन के विज्ञापन बुक करायें

विज्ञापन हेतु संपर्क करें-

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें-94568843327

भेड़िए के जबड़े से मासूम को बचा लाई दादी

यूपी के कई जिलों में पिछले कुछ दिनों से आदमखोर भेड़ियों का आतंक जारी है।

बहराइच : भेड़ियों ने फिर एक मासूम बच्ची को अपना शिकार बना लिया है। बीती रात भेड़िए ने 5 साल की बच्ची पर हमला बोल दिया। पोती को भेड़िए के चंगुल में देखकर बूढ़ी दादी आदमखोर भेड़िए से भिड़ गईं। शोर सुनने के बाद आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। ऐसे में भेड़िया बच्ची को छोड़कर भाग निकला। बच्ची की हालत गंभीर है और उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

यूपी के कई जिलों में पिछले कुछ दिनों से आदमखोर भेड़ियों का आतंक जारी है। बीती रात करीब 11:00 बजे बहराइच के गिरधर पुरवा गांव में भेड़िए ने 5 साल की मासूम बच्ची पर हमला बोल दिया। बच्ची का नाम अफसाना है। वो घर के बरामदे में अपनी दादी के साथ सो रही थी। तभी एक भेड़िया दबे पांव आया और बच्ची का गला पकड़ लिया। हालांकि

बहराइच में भेड़ियों ने अब तक 9 बच्चों समेत 10 लोगों की जान ले ली है। कई लोग भेड़ियों के हमले से बुरी तरह घायल हो गए हैं। वन विभाग ने बहराइच, श्रावस्ती, गोंडा और बाराबंकी समेत कई जिलों में सर्च ऑपरेशन चलाया है।

भेड़िया बच्ची को ठीक से जबड़े में नहीं दबा सका और बच्ची जोर-जोर से चिल्लाने लगी। बगल में सो रही दादी की आंख खुली तो बच्ची को भेड़िए के मुंह में देखकर हैरान रह गईं।

बूढ़ी दादी भी बच्ची को बचाने के लिए भेड़िए से जा भिड़ीं। यह शोर सुनकर घर के लोग बाहर निकले, वहीं आसपास के लोग भी मौके पर जुट गए। ऐसे में भीड़ देखकर भेड़िया वहां से भाग निकला और बच्ची की जान बच गई। हालांकि बच्ची की हालत काफी नाजुक है। उसे महसी के एक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती किया गया है, जहां बच्ची का इलाज चल रहा है।

इस हादसे की जानकारी मिलने के बाद वन विभाग ने सर्च ऑपरेशन तेज कर दिया है। वन विभाग की टीम भेड़ियों की तलाश में है।

बता दें कि बहराइच में भेड़ियों ने अब तक 9 बच्चों समेत 10 लोगों की जान ले ली है। कई लोग भेड़ियों के हमले से बुरी तरह घायल हो गए हैं। वन विभाग ने बहराइच, श्रावस्ती, गोंडा और बाराबंकी समेत कई जिलों में सर्च ऑपरेशन चलाया है। मगर भेड़ियों का आतंक कम होने का नाम नहीं ले रहा है।

जरूरी खबरें

चलती कार में प्रेग्नेंट वर्किंग वूमेन से गैंगरेप

नोएडा दिल्ली से सटे नोएडा में 3 दोस्तों ने मिलकर एक महिला को नशीला पदार्थ पिलाया और फिर चलती गाड़ी में उसका रेप किया। 4 महीने की गर्भवती महिला उन दरिंदो के सामने गिड़गिड़ाती रही कि उसके पेट में बच्चा है, उसे छोड़ दो। मगर हवस के भूखे आरोपियों ने उसकी एक नहीं सुनी। घटना के बाद जब महिला बदहाल अवस्था में थाने पहुंची, तो पुलिस ने रिपोर्ट लिखने से मना कर दिया। महिला भटकते हुए दूसरे थाने गई और वहां उसने पुलिस को अपनी आपबीती सुनाई।

< ऑफिस कलीग ने किया किडनैप

यह रोंगटे खड़े कर देने वाली घटना किसी दूर-दराज के इलाके की नहीं बल्कि देश की राजधानी दिल्ली से सटे नोएडा की है। उत्तर प्रदेश के नोएडा सेक्टर 63 में दरिंदो ने युवती के साथ इस घिनौनी हरकत को अंजाम दिया। आरोपी कोई अंजान नहीं थे। उनमें से 2 को पीड़िता अच्छी तरह से जानती थी। दोनों उसके ऑफिस में साथ काम करते थे। आरोपियों ने पहले महिला को ऑफिस से अगवा किया और फिर चलती गाड़ी में उसके साथ दुष्कर्म जैसी घिनौनी वारदात को अंजाम दिया।

दरअसल महिला नोएडा सेक्टर 63 स्थित एक प्राइवेट कंपनी में काम करती है। 20 वर्षीय पीड़िता नोएडा में अपने बॉयफ्रेंड के साथ लिव-इन रिलेशनशिप में है। महिला 4 महीने की गर्भवती थी। 3 जुलाई की दोपहर उसके ऑफिस में काम करने वाले समीर नामक शख्स ने महिला को बहलाया फुसलाया और अपने साथ चलने को कहा। समीर ने पीड़िता से कहा कि उसके अंकल की तबीयत खराब है और उन्हें देखने अस्पताल जाना है।

गौ तस्कर समझ 12वीं के छात्र को 30km तक दौड़ाया, कार पर चली गोली ने ली जान

नई दिल्ली: हरियाणा के फरीदाबाद में 12वीं में पढ़ने वाले एक छात्र को कथित गौ रक्षकों ने गौ तस्कर समझ लिया। गौ रक्षकों ने छात्र की कार का 30 किलोमीटर तक पीछा किया। पांच सदस्यीय कथित गौ रक्षकों की पहचान अनिल कौशिक, वरुण, कृष्णा, आदेश और सौरभ के तौर पर की गई है। पुलिस ने पांचों कथित गौ रक्षकों को गिरफ्तार कर लिया है। घटना 23 अगस्त की है।

पुलिस के मुताबिक दिल्ली-आगरा नेशनल हाइवे पर हरियाणा के गढ़पुरी में आरोपियों ने आर्यन मिश्रा और उसके दोस्तों शेंकी और हर्षित का 30 किलोमीटर तक कार से पीछा किया। सूत्रों के मुताबिक कथित गौ रक्षकों को जानकारी मिली थी कि गौ तस्कर रेनॉल्ट डस्टर और टोयोटा फॉर्च्यूनर कार में शहर की रेकी कर रहे हैं और मवेशियों को उठा रहे हैं।रिपोर्ट्स के मुताबिक आरोपी गौ तस्करों की तलाश कर रहे थे, इस बीच उन्होंने पटेल चौक के पास एक डस्टर कार को देखा।

इसके बाद उन्होंने कार के ड्राइवर हर्षित को गाड़ी रोकने के लिए कहा। हालांकि आर्यन और उसके दोस्तों ने गाड़ी नहीं रोकी। आर्यन के दोस्त शेंकी का कुछ अन्य लोगों के साथ विवाद चल रहा था, ऐसे में उन्होंने सोचा कि शायद उन्होंने गुंडों को भेजा हो।

आर्यन और उसके दोस्तों ने गाड़ी नहीं रोकी, जिसके बाद आरोपियों ने गाड़ी पर फायर कर दिया। इसी फायरिंग में एक बुलेट आर्यन को गर्दन के करीब जा लगी, जोकि पैसेंजर सीट पर बैठा था। और जब कार आखिरकार रूकी तो आरोपियों ने एक और गोली आर्यन को मार दी। आरोपियों को लगा था कि उन पर भी फायर हो सकता है।

फिल्मी सॉन्ग में रोल दिलाऊंगा, इंस्टाग्राम दोस्त से गैंगरेप, कार में अंजाम दी वारदात

लखनऊ: युवती से दरिंदगी का मामला सामने आया है। यहां एक युवती को फिल्मी गाने में रोल दिलाने के नाम पर प्रॉपटी डीलर और उसके साथियों ने चलती कार में दुष्कर्म किया। इसके बाद होटल में ले जाकर गैंगरेप किया। युवती को होश आने पर आरोपी पीड़िता को छोड़कर भाग गए। मामले में चिनहट थाना पुलिस ने 2 आरोपियों को अरेस्ट किया है।

पुलिस के अनुसार, कानपुर की रहने वाली 23 साल की युवती की कुछ दिन पहले इंस्टाग्राम पर चिनहट के रहने वाले विपिन सिंह से दोस्ती हो गई। विपिन सिंह प्रॉपर्टी डीलर का काम करता है उसने युवती को एक फिल्मी सॉन्ग में रोल दिलाने की बात कही। इसके बाद विपिन सिंह ने युवती को लखनऊ बुलाया। 28 अगस्त को युवती कानपुर से लखनऊ पहुंची। लखनऊ पहुंचने के बाद वह होटल रिजेंसी पहुंची, जहां एसयूवी में विपिन सिंह और उसका रिश्तेदार विनाम सिंह और कर्मचारी हिमांशु सवार था।यह होटल क्रिस्टल है। आरोपी लड़की को यहीं लेकर आए थे और बेहोशी की हालत में गैंगरेप किया था। होटल क्रिस्टल इन यहीं पर युवती से दुष्कर्म हुआ चाय में मिलाकर पिलाया नशीला पदार्थ

यहां विपिन सिंह ने युवती को कार में बैठाया और अपने ऑफिस ले आया। यहां रोल के सिलसिले में उसकी मुलाकात एक शख्स से कराई। इसके बाद आरोपी ने पीड़िता को उसके घर छोड़ने की बात की।

भगवान महाकाल की 'राजसी' सवारी के भक्तों को मिले पूरी सुविधा

जम्मू कश्मीर : सोमवार को मुख्यमंत्री श्री महाकालेश्वर मंदिर पहुंचे। उन्होंने गर्भ ग्रह के अंदर भगवान महाकाल का पूजन किया। पूजन कार्य पुजारी राजेश गुरु ने संपन्न कराई। पूजन के बाद नंदी हॉल में महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष और कलेक्टर नीरज कुमार सिंह ने मुख्यमंत्री यादव को शाल और श्रीफल भेंट किया। मुख्यमंत्री ने महाकालेश्वर मंदिर परिसर में मौजूद वृद्ध कालेश्वर (जूना महाकालेश्वर) मंदिर और अनादिकल्पेश्वर मंदिर पहुंचकर भी दर्शन कर पूजा अर्चना की। दर्शन के बाद मुख्यमंत्री यादव महाकाल मंदिर परिसर स्थित पंचायती महानिर्वाणी अखाड़ा पहुंचे। यहां पर महंत विनीत गिरी सहित अन्य संतों ने मुख्यमंत्री को भगवान महाकाल प्रतिकृति का स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया।

लुधियाना में आबकारी विभाग ने चलाया प्रवर्तन अभियान

पंजाब की भगवंत मान सरकार लगातार प्रदेश के विकास और जनता के हितों से जुड़े काम कर रही है। इसके लिए राज्य सरकार की तरह की प्रदेश के लोगों के लिए कई योजनाएं चलाई जा रही है। कुछ दिनों पहले 30 और 31 अगस्त को पंजाब की आबकारी विभाग की लुधियाना ईस्ट रेंज ने 2 दिन का स्पेशल प्रवर्तन अभियान चलाया है। इस अभियान के तहत विभाग ने ऐसे शराब ठेकों, होटलों, क्लबों, बार और पबों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की, जो कम उम्र के ग्राहकों को सर्व करते हैं। इस बात की जानकारी पंजाब के वित्त, योजना, आबकारी एवं कराधान मंत्री एडवोकेट हरपाल सिंह चीमा ने दी है।

आबकारी और कराधान मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने एक प्रेस रिलीज की। जिसमें उन्होंने बताया कि आबकारी विभाग द्वारा चलाए गए दो दिवसीय प्रवर्तन अभियान के दौरान लुधियाना ईस्ट रेंज में 23 कैम्पस का निरीक्षण किया गया। इनमें से 9 बारों में नाबालिग ग्राहकों को सर्व करते हुए पाया गया। कानून उल्लंघन के तहत इन बारों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। कैबिनेट मंत्री चीमा ने कहा कि यह अभियान एक सतत प्रयास का हिस्सा है। इसी तरह से राज्य के अलग-अलग हिस्सों में भी प्रवर्तन कार्रवाई नियमित रूप से की जाएगी।

दिनों पहले 30 और 31 अगस्त को पंजाब की आबकारी विभाग की लुधियाना ईस्ट रेंज ने 2 दिन का स्पेशल प्रवर्तन अभियान चलाया है। इस अभियान के तहत विभाग ने ऐसे शराब ठेकों, होटलों, क्लबों, बार और पबों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की, जो कम उम्र के ग्राहकों को सर्व करते हैं। इस बात की जानकारी पंजाब के वित्त, योजना, आबकारी एवं कराधान मंत्री एडवोकेट हरपाल सिंह चीमा ने दी है।

उन्होंने आगे कहा कि प्रवर्तन टीमों को निर्देश दिया गया है कि वह सख्ती के साथ कानून का पालन करें। कानून के अनुसार नियमित अंतराल पर प्रतिष्ठानों की निगरानी और निरीक्षण करें। मंत्री चीमा ने आगे बताया कि 'पंजाब नशा लाइसेंस और बिक्री आदेश 1956 के तहत, कोई भी लाइसेंसधारी दुकान वाले को 25 साल से कम उम्र के व्यक्तियों को शराब बेचने पर बैन है। इस कानून का उल्लंघन करने पर लाइसेंसधारी मुकदमा चलाया जा सकता है और उसका लाइसेंस निलंबित किया जा सकता है।

सुरेश रैना के फूफा के हत्यारों को सजा, दोषी 12 लोग उम्रभर रहेंगे सलाखों में कैद

नई दिल्ली : पंजाब की एक अदालत ने क्रिकेटर सुरेश रैना के फूफा की हत्या में 12 दोषियों को उम्रकैद की सजा सुनाई है। सभी दोषियों पर कोर्ट ने 2-2 लाख का जुर्माना भी लगाया है। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि सभी दोषियों के खिलाफ पर्याप्त साक्ष्य हैं, ऐसे में सभी को उम्रकैद की सजा सुनाई जाती है।

< जानकारी के अनुसार ये मामला साल 2020 में पठानकोट के थरियाल गांव का है। यहां सुरेश रैना के फूफा समेत कुछ लोग एक मकान में मौजूद थे। पुलिस रिपोर्ट के अनुसार इस दौरान कुछ लोगों उस घर में घुस गए, इनमें कुछ महिलाएं भी शामिल थीं। बदमाशों ने हथियारों के बल पर घर में सभी से जमकर लूट की। लूटपाट का विरोध करने पर बदमाशों ने क्रिकेटर के फूफा समेत दो लोगों की हत्या की और लूटपाट कर फरार हो गए।

पंजाब की पठानकोट जिला अदालत में पेश पुलिस की चार्जशीट में बताया गया कि दोषियों ने पूरी योजनागत तरीके से वारदात को अंजाम दिया है। उन्होंने

पुलिस ने मामले में हत्या, लूटपाट की धाराओं में मामला दर्ज किया था। अदालत ने अपने आदेश में स्पष्ट किया है कि उम्र कैद के अलावा सभी दोषियों को दो-दो लाख रुपये जुर्माना देना होगा।

लूटपाट का विरोध करने पर दो लोगों पर जानलेवा हमला किया, जिससे उनकी जान चली गई। पुलिस ने मामले में हत्या, लूटपाट की धाराओं में मामला दर्ज किया था। अदालत ने अपने आदेश में स्पष्ट किया है कि उम्र कैद के अलावा सभी दोषियों को दो-दो लाख रुपये जुर्माना देना होगा।

ये पूरा मामला शापुरकंडी थाने का था। कोर्ट के फैसले के बारे में केस के वकील हरीश पठानिया ने बताया कि लूट की इस वारदात में कुल 12 लोग शामिल थे, जिनमें महिलाएं भी शामिल थीं। उनका कहना था कि दोषी लूट के मकसद से घर में घुसे और हत्या कर मौके से फरार हो गए थे।

कोलकाता 'कुर्मी नेतृत्व कर सकता है ब्राह्मण क्यों नही

बिहार में जनसुराज पार्टी के संयोजक प्रशांत किशोर ने नीतीश कुमार को लेकर एक बार फिर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार जिस कुर्मी समाज से आते हैं उससे अधिक तो ब्राह्मणों की आबादी है। इसलिए अगर कोई कुर्मी नेतृत्व कर सकता है तो ब्राह्मण क्यों नहीं। उन्होंने स्वयं की ब्राह्मण पहचान को लेकर कहा कि आखिर संविधान में कहां लिखा है सवर्ण राजनीति में नहीं आ सकता। उन्होंने कहा मैं जातिवादी राजनीति के पक्ष में नहीं हूं, लेकिन कुछ लोग मेरे नाम में पांडेय ढूंढकर ला रहे हैं।

पीके ने एक इंटरव्यू में कहा कि हमारे देश में मुसलमानों की आबादी 18 फीसदी है। उनकी भूमिका भी बड़ी होगी। हमारे दल के 18 प्रतिशत पदाधिकारी मुसलमान होंगे। इसके अलावा टिकट पाने और पदों के लिए उन्हें मौका मिलेगा। अब आबादी के आधार पर सभी वर्गों को मौका देने की कोशिश करेंगे। 2 अक्टूबर को हमारा दल औपचारिक रूप लेगा। हमारी मूल भावना सभी को साथ लेकर दल बनाने की है। उन्होंने आरजेडी के एमवाई समीकरण को लेकर कहा कि यह अस्तित्व में नहीं है। पीके ने कहा कि 2014 में उनके 4 सांसद बने इसके बाद 2019 में कोई नहीं जीत पाया।

शुगर के मरीज को सुबह भूलकर भी नहीं खानी चाहिए ये 3 चीजें

नई दिल्ली : भारत में ज्यादातर लोग नाश्ते में पराठा, पूरी, ब्रेड और जूस जैसी चीजों को शामिल करते हैं। इन चीजों को हेल्दी मानकर खाने वाले लोगों को ये जानकर हैरानी होगी कि डायबिटीज के मरीज के लिए इस तरह का नाश्ता सबसे ज्यादा खराब साबित होता है।

डायबिटीज के मरीज को सुबह उठकर इन चीजों के सेवन से दूर रहना चाहिए। अब सवाल उठता है कि डायबिटीज के मरीज नाश्ते में क्या खाएं? जिससे दिनभर उनका ब्लड शुगर लेवल कंट्रोल में रहे। अगर आप सुबह उठकर ब्रेड बटर या जैम टोस्ट खाते हैं तो ये सबसे बड़ी गलती करते हैं।न्यूट्रिशनिस्ट और डाइटीशियन स्वाति सिंह की मानें तो सुबह उठकर फलों का जूस, ब्रेड, टोस्ट, शहद, पूरी परांठा और बिस्कुट जैसी चीजें का सेवन सेहत के लिए ठीक नहीं है। खासतौर से डायबिटीज के मरीज के लिए ये सबसे खराब चीजों में से एक हैं। इस तरह का खाना सुबह ही शरीर में ब्लड शुगर लेवल को हाई कर देता है। जानिए डायबिटीज के मरीज को कौन सी चीजें बिल्कुल नहीं खानी चाहिए?

सफेद ब्रेड- डायबिटीज के मरीज को सुबह सफेद ब्रेड का सेवन भूलकर भी नहीं करना चाहिए। व्हाइट ब्रेड का ग्लाइसेमिक इंडेक्स काफी हाई होता है और ये प्रोसेस्ड फूड होने के कारण अपने सारे पोषक तत्व और फाइबर को नष्ट कर देता है। सफेद ब्रेड डायबिटीज में नुकसानदायक है।फलों का जूस- नाश्ते में जूस पीना लोग फायदेमंद मानते हैं, लेकिन हेल्थ एक्सपर्टस ब्रेकफास्ट में जूस पीना ठीक नहीं मानते हैं। इससे शरीर में शुगर का लेवल बढ़ता है। जूस में फाइबर न के बराबर होता है। खाली पेट जूस पीना डायबिटीज में नुकसानदायक साबित होता है।

मूसली- कुछ लोग नाश्ते में कॉर्न फ्लेक्स, मूसली और सेरेल्स खाते हैं। ये प्रोटीन से भरपूर हो सकते हैं लेकिन कई बार इनमें शुगर भी होती है। इसलिए खाने से पहले चेक कर लें। बिना शुगर वाले ये नाश्ता खा सकते हैं। डायबिटीज के मरीज को सुबह उठकर इन चीजो के सेवन से दूर रहना चाहिए। अब सवाल उठता है कि डायबिटीज मरीज नाश्ते में क्या खाएं?

कॉर्न फ्लेक्स और मूसली- कुछ लोग नाश्ते में कॉर्न फ्लेक्स, मूसली और सेरेल्स खाते हैं। ये प्रोटीन से भरपूर हो सकते हैं लेकिन कई बार इनमें शुगर भी होती है। इसलिए खाने से पहले चेक कर लें। बिना शुगर वाले ये नाश्ता खा सकते हैं। डायबिटीज के मरीज को सुबह उठकर इन चीजों के सेवन से दूर रहना चाहिए। अब सवाल उठता है कि डायबिटीज के मरीज नाश्ते में क्या खाएं? जिससे दिनभर उनका ब्लड शुगर लेवल कंट्रोल में रहे। अगर आप सुबह उठकर ब्रेड बटर या जैम टोस्ट खाते हैं तो ये सबसे बड़ी गलती करते हैं।न्यूट्रिशनिस्ट और डाइटीशियन स्वाति सिंह की मानें तो सुबह उठकर फलों का जूस, ब्रेड, टोस्ट, शहद, पूरी परांठा और बिस्कुट जैसी चीजें का सेवन सेहत के लिए ठीक नहीं है।

संपादकीय

आधुनिक हो रहे दौर में कैसी होगी शिक्षक की नई भूमिका ?

गंभीर सवाल यही उठता है कि यह नया शिक्षक कैसा हो ? वह इस नई भूमिका का निर्वाह कैसे करे ? शिक्षा की प्राथमिकताएं क्या हो और वह कौन–सा परिवेश है जिसमें शिक्षा बदल रही है ? शिक्षा के बदलते परिवेश में नए शिक्षक की नई भूमिकाएं कौन सी है ? 21वीं सदी में शिक्षक, शिक्षा और शिक्षण संस्थाएं सब के सब आमूल चूल बदलावों की तरफ बढ़ रहे है। प्राथमिकताओं का प्रण करना इतना सरल नही है।

प्राथमिकताओं का प्रण करना इतना सरल नही है।समाज की अपनी जरूरतें है तो राजनीति के अपने अलग तकाजे हैं और बाजार तो खनन के ख्याल से बाहर कभी सोचता ही नहीं। ऐसे में सार्वभौमिकताओं को सहेजने वाली मानवता का दिग्दर्शन नई शैक्षिक संस्कृति में कैसे उभरे? यह उद्यम भरा दायित्व है। नए शिक्षक के कंधों पर आन पड़ा है। इस दृष्टि से विश्व एकीकरण और सामाजिक विखंड़न को रोकने का जो महत्वपूर्ण दायित्व शिक्षक की नई भूमिका से जुड़ चुका है।

प्रकृति के अपने दो ही मौलिक संसाधन है–समय और स्थान, जिन पर सवार होकर वह प्रगति का आख्यान आहुत करती है। पहचान का प्रतिबिम्ब बनाने में भी यही सामग्री काम आती है। हर दौर हर क्षेत्र की दिक्कतें और दिव्यताओं को अपने उपर उकेर कर अतीत होने को अभिशप्त है। परन्तु हर दौर पर समय की गहरी छाप छुट ही जाती है। जिसमें छिपे होते हैं महान नायकों के नवाचार और बहुसंख्यक सामान्य जनों के जीवन की दैनंदिन जुगालिया।

किसी भी समाज के इन महान नायकों में नाम दर्ज है शिक्षक का, जो अपने समय की चुनौतियों और अवसरों का आहवाहन करता है। समाज की हर नई पीढ़ी को भावी योद्धाओं की तरह तैयार करता है। जो रचते है उस समय पर अपनी शिनाख्त और उकेरते हैं उस जगह पर अपनी सभ्यता के संदेश। इसी दायित्व को धारण कर उतरता है एक शिक्षक समाज–निर्माण के रणक्षेत्र में।इस दृष्टि से नई सदी के नए अवसरों और चुनौतियों का चुनाव उन प्राथमिकताओं को ध्यान में रखकर करना होगा जो हमारी मानवता के भविष्य पर ही प्रश्न चिन्ह लगाने में संलग्न है। जिस तरह से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंश का जिन्न जिन्नात की शक्ल में जमता जा रहा है। सम्पूर्ण मानव जीवन पर टैक्नोलॉजी का शिकंजा कसता जा रहा है। उससे मानवीय मौलिकताएं मरणासन्न हो रही है।मानवीय मूल्यों का तिरोहन सब तरफ हम सबके सामने हैं। ऐसे में एक सजग समाज का निर्माण शिक्षा की प्राथमिकता कैसे बने ? नई आधुनिकताएं जिन नई नैतिकताओं पर टिकेंगी उनका प्रवाह शिक्षा के जरिए समाज में कैसे सम्प्रेषित हो ? यह दुरुह दायित्व शिक्षक के सिवा कौन निभा पाएगा।अब गंभीर सवाल यही उठता है कि यह नया शिक्षक कैसा हो ? वह इस नई भूमिका का निर्वाह कैसे करे? शिक्षा की प्राथमिकताएं क्या हो और वह कौन–सा परिवेश है जिसमें शिक्षा बदल रही है ? शिक्षा के बदलते परिवेश में नए शिक्षक की नई भूमिकाएं कौन सी है ? 21वीं सदी में शिक्षक, शिक्षा और शिक्षण संस्थाएं सब के सब आमूल चूल बदलावों की तरफ बढ़ रहे है। प्राथमिकताओं का प्रण करना इतना सरल नहीं है।समाज की अपनी जरूरतें है तो राजनीति के अपने अलग तकाजे हैं और बाजार तो खनन के ख्याल से बाहर कभी सोचता ही नहीं। ऐसे में सार्वभौमिकताओं को सहेजने वाली मानवता का दिग्दर्शन नई शैक्षिक संस्कृति में कैसे उभरे ? यह उद्यम भरा दायित्व है। नए शिक्षक के कंधों पर आन पड़ा है। इस दृष्टि से विश्व एकीकरण और सामाजिक विखंड़न को रोकने का जो महत्वपूर्ण दायित्व शिक्षक की नई भूमिका से जुड़ चुका है। नई पीढ़ी के चरित्र और मानस निर्माण में अग्रणी भूमिका से जुड़ा है। इसके लिए शिक्षक को उच्च लक्ष्यों का वरण और निर्धारण स्वयं करना होगा।

अरबपति दानवीर भी बन जाएं तो कुछ बात बने

हर देश के अपने–अपने दान करने के तरीके हैं और हर व्यक्ति की अपनी ज़रूरतें और सीमाएँ होती हैं. दानवीरता किसी भी व्यक्ति की व्यक्तिगत पसंद और क्षमता पर निर्भर करती है, न कि किसी देश या संस्कृति पर। हमारे यहां बहुत से लोग मशहूर खिलाड़ियों और फिल्मी सितारों से शिकायत करते रहते हैं कि वे चैरिटी नही करते। हालांकि सच यह है कि कई सेलिब्रिटी अपने दानों के बारे में सार्वजनिक नही होना चाहते। उनका मानना हो सकता है कि दान करना एक निजी मामला है और इसे सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित करने की जरूरत नही है।

आर.के. सिन्हा

अभी कुछ दिन पहले एक खबर मीडिया की सुर्खियों में थी कि भारत की वित्तीय राजधानी मुंबई अब एशिया की 'अरबपतियों की राजधानी' बन गई है। हुरुन इंडिया रिच लिस्ट 2024 के अनुसार, मुंबई में चीन के राजधानी शहर बीजिंग से भी ज़्यादा अरबपति व्यक्ति रहने लगे हैं। भारत में मुंबई के बाद सबसे ज्यादा अरबपति अब दो और महानगरों नई दिल्ली और हैदराबाद में ही रहते हैं। उम्मीद करनी चाहिए कि देश में अरबपतियों की तादाद देश में विकास की रफ्तार के साथ बढ़ती ही रहेगी। अरबपति छोटे शहरों और कस्बों में भी बने। पर भारत को फिलहाल सैकड़ों–हजारों दानवीर भी तो चाहिए।

भारत, अपने युवा और विविध जनसंख्या के बावजूद , दुनिया की सबसे तेजी से विकसित होने वाली अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। हालांकि, फिलिहाल इसकी समृद्धि असमान रूप से वितरित है। लाखों लोग गरीबी, भुखमरी, स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा तक की पहुँच से वंचित हैं। इस असमानता को कम करने और भारत को एक समृद्ध और न्यायपूर्ण राष्ट्र बनाने के लिए अधिक से अधिक दानवीरों की आवश्यकता है। हमें इस तरह के दानवीर चाहिएं जो हर साल बड़ी राशि स्वास्थ्य और शिक्षा क्षेत्रों में खर्च करें।

यह संतोष का विषय है कि बिल गेट्स ने अपनी समृद्धि का उपयोग मानवता की सेवा में किया है। उनके द्वारा स्थापित बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन ने वैश्विक स्वास्थ्य, शिक्षा और विकास के क्षेत्र में अभूतपूर्व योगदान दिया है। भारत में स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में बड़ी चुनौतियाँ हैं, जिसमें गरीबों के लिए स्वास्थ्य सेवा तक पहुँच सीमित है। बेशक, दानवीर स्वास्थ्य सेवा में निवेश करके, नई तकनीकों और दवाओं को विकसित करने में मदद कर सकते हैं। वे गरीबों के लिए स्वास्थ्य सेवा की पहुँच को बढ़ावा देने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में अस्पतालों और क्लिनिकों का निर्माण कर सकते हैं।

भारत में शिक्षा प्रणाली में भी सुधार की बड़ी आवश्यकता है। इस क्षेत्र में बहुत सारे दानवीरों को निवेश करना चाहिए।वे शिक्षा के क्षेत्र में निवेश करके, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। समृद्ध दानवीर शिक्षकों के प्रशिक्षण, स्कूलों का आधुनिकीकरण और नए शिक्षण उपकरणों का विकास जैसे क्षेत्रों में निवेश कर सकते हैं। यह कोई नहीं कह रहा है कि हमारे यहां दानवीर शिक्षा या हेल्थ सेक्टर में निवेश नहीं करते। पर इन दोनों क्षेत्रों में शत प्रतिशत सरकार के भरोसे भी तो नहीं रहा जा सकता। सरकार की भी अपनी सीमाएं हैं।इसके साथ ही भारत में गरीबी और असमानता को दूर करने के लिए बड़े पैमाने पर चहुँमुखी सामाजिक विकास की आवश्यकता है। दानवीर गरीबों को रोजगार के अवसर प्रदान करने और उनकी आय बढ़ाने में मदद कर सकते हैं। वे ग्रामीण विकास, कृषि, स्वरोजगार और महिलाओं के सशक्तिकरण जैसे क्षेत्रों में निवेश कर सकते हैं।

भारत जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से जूझ रहा है। इस स्थिति का सामना करने के लिए हमारे दानवीर नवीकरणीय ऊर्जा स्त्रोतों को विकसित करने और पर्यावरण संरक्षण के लिए नवाचारों को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। वे जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए जल संरक्षण और ज़्यादा पानी अवशोषित करने वाले गेहूँ, धान और गन्ना के उत्पादन को छोड़कर या कम करके परंपरागत मोटे और छोटे अनाजों के उत्पादन को बढ़ावा देने का अभियान चला सकते हैं। एक किलो धान के उत्पादन में जहाँ 8000 लीटर , एक किलो गेहूँ उत्पादन में 10,000 लीटर पानी और एक किलो चीनी के उत्पादन में 28,000 लीटर पानी का व्यय होता है , वहीं एक किलो छोटे अनाज कोदो, कँगनी, कुटकी , साँवा और हरा सावाँ के उत्पादन में मात्र 100 से लेकर 300 तक ही पानी की आवश्यकता पड़ती है ।इसीप्रकार, हर तरह के दूरगामी और टिकाऊविकास को बढ़ावा देने के लिए भी दानवीर अरबपति पर्यावरणीय संगठनों को समर्थन दे सकते हैं।

मैं अपना खुद का उदाहरण देना चाहूँगा । मैं 1966 से लेकर 1975 में स्वर्गीय श्रीमती इंदिरा गाँधी द्वारा लगायी गई इमरजेंसी के पूर्व तक उस समय भारतवर्ष के दो बड़े मीडिया संस्थानों में से एक में विशेष संवाददाता था । तनखूवाह थी मात्र 230 रुपए प्रतिमाह। संपादकीय पृष्ठ पर एक लेख लिखने पर प्रति लेख 10 रुपए अलग से मिल जाते थे । लोकनायक जयप्रकाश नारायण की प्रेरणा और आशीर्वाद से भूतपूर्व सैनिकों के पुनर्वास के लिये एक छोटा सा सेवामूलक कार्य शुरूकिया और तीन लाख भूतपूर्व सैनिकों और बेरोज़गार युवक – युवतियाँ को रोज़गार दिया । आज उन संस्थाओं का वार्षिक कारोबार लगभग 13,000 करोड़ का है । संतोषप्रद लाभ भी है । लेकिन , मैं अपने लाभाँश का लगभग 95% अपने पूज्य माता और पिताजी की स्मृति में स्थापित ₹ अवसर ट्रस्ट ₹ के माध्यम से ज़रूरतमंद लोगों की शिक्षा , चिकित्सा , बिना दहेज विवाह , किसी भी तरह की समाज सेवा करने वाली संस्थाओं की सहायता में खर्च करता हूँ। इससे जो आत्मीय संतुष्टि मिलती है, उसका वर्णन करना संभव नही है । धन की गति या तो व्यभिचार के लिये होगी या सद्कार्यों के लिये ! अरबपतियों को एक ही रास्ता चुनना होगा । नोटों की गड्डी पर न तो आज तक कोई जला है , न जलेगा ।तब बुद्धिमत्ता पूर्वक सबको यह सूचना चाहिये कि संचित धन का सदुपयोग करना है या दुरुपयोग ? नए–नए करोड़पतियों और अरबपतियों को अनुसंधान और विकास में भी निवेश करना चाहिए। ये दानवीर वैज्ञानिक अनुसंधान, तकनीकी नवाचार और नए क्षेत्रों में निवेश करके, भारत को वैज्ञानिक और तकनीकी क्षेत्र में नेता बनने में मदद कर सकते हैं। वे नए उद्यमों को शुरू करने और भारत को वैश्विक अर्थव्यवस्था में और अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए निवेश कर सकते हैं। इंफोसिस टेक्नोलॉजीज के को–फाउंडर नंदन नीलेकणि शिक्षा के क्षेत्र में बहुत दान देते हैं। उन्होंने कुछ समय पहले इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आईआईटी) बॉम्बे को 315 करोड़ रुपए दान किये। इससे पहले भी, उन्होंने आईआईटीळ बॉम्बे को 85 करोड़ रुपए दान किया था। यानी अब तक वो आईआईटी बॉम्बे को करीब 400 करोड़ रुपये का दान कर चुके हैं। दरअसल देश के विभिन्न स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्लायों के सफल छात्रों को अपने शिक्षण संस्थानों की आर्थिक मदद करनी चाहिए। इन संस्थानों को सरकार की मदद के सहारे पर नहीं छोड़ा जा सकता है। अमेरिका में पूर्व छात्र अपने कॉलेजों और विश्व विद्लायों की भरपूर मदद करते हैं। पूर्व छात्रों की मदद से ही उनके शिक्षण संस्थानों में रिसर्च और दूसरी सुविधाएं बढ़ाई जा सकती हैं। नीलकेणी की सबसे बड़ी कामयाबी आधार कार्ड है। देश के हर नागरिक को एक विशिष्ठ पहचान संख्या या यूनिक आइडेंटीफिकेशन नम्बर को उपलब्ध करवाने का विचार उन्होंने ही सफलतापूर्वक चलाया था। इसमें दो राय नहीं हो सकती कि भारत में नंदन नीलकेणी जैसे दानवीरों की संख्या को बढ़ाना होगा। अजीम प्रेमजी और शिव नाडर जैसे अरबपति दानवीर भी देश के युवाओं को सामाजिक उद्यमिता, सामुदायिक विकास और सामाजिक बदलाव के लिए प्रेरित कर सकते हैं। वे भारत के संसाधनों का प्रभावी उपयोग करके, गरीबी को दूर करने और मानवता की सेवा करने के लिए सहायता भी कर सकते हैं।कभी–कभी मन उदास हो जाता है कि भारत में दानवीरों की काफी कमी हैं। देखिए भारत में अब भी धनी लोग समाज के लिए धन देने से कतराते हैं। उन्हें लगता है कि उनका टैक्स देना ही काफी है। यह सोच बदलनी होगी।

फिर भारत में भ्रष्टाचार व्याप्त है, जिससे लोगों को दान करने के लिए प्रेरित करने में कठिनाई होती है। उन्हें डर लगता है कि उनके दान का गलत उपयोग किया जाएगा। कई मामलों में यह होता भी है। फिर कई लोग दान के बारे में जानकारी नहीं रखते हैं या वे यह नहीं जानते कि वे दान कैसे कर सकते हैं।इस बीच, यह कहना सही नहीं है कि यूरोप और अमेरिका में भारत से ज़्यादा दानवीर हैं।दानवीरता किसी भी देश या संस्कृति तक सीमित नहीं है। हर जगह अच्छे दिल वाले लोग होते हैं जो दूसरों की मदद करने को तैयार रहते हैं। हर देश के अपने–अपने दान करने के तरीके हैं और हर व्यक्ति की अपनी ज़रूरतें और सीमाएँ होती हैं. दानवीरता किसी भी व्यक्ति की व्यक्तिगत पसंद और क्षमता पर निर्भर करती है, न कि किसी देश या संस्कृति पर। हमारे यहां बहुत से लोग मशहूर खिलाड़ियों और फिल्मी सितारों से शिकायत करते रहते हैं कि वे चैरिटी नहीं करते। हालांकि सच यह है कि कई सेलिब्रिटी अपने दानों के बारे में सार्वजनिक नहीं होना चाहते। उनका मानना हो सकता है कि दान करना एक निजी मामला है और इसे सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित करने की जरूरत नहीं है।

(लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं)

बिजनेस

नोएडा में फ्लैट खरीदने वालों को लगेगा बड़ा झटका

नई दिल्ली। अगर आप नोएडा में जमीन या फ्लैट खरीदने का प्लान बना रहे हैं तो जल्दी करिए, क्योंकि नोएडा में जमीन की कीमत आसमान छूने वाली है। खबरों की मानें तो नोएडा प्रशासन सर्किल रेट बढ़ाने की तैयारी कर रहा है। अगले 1–2 महीने में इसे लागू किया जा सकता है। इसके बाद नोएडा में रजिस्ट्री करवाना काफी महंगा हो जाएगा।

मुताबिक नोएडा और ग्रेटर नोएडा में सर्किल रेट बढ़ने वाले हैं। इसे लेकर अधिकारियों की मीटिंग जारी है। प्रशासन ने इस पर रिपोर्ट मांगी है। अगले 1–2 महीने में जमीन और फ्लैट के सर्किल रेट में 20–25 प्रतिशत का इजाफा हो सकता है। हालांकि इसकी अभी तक कोई अधिकारिक पुष्टी नहीं की गई है। हालांकि सर्किल रेट बढ़ने के बाद प्रॉपर्टी की रजिस्ट्री पर लगने वाली स्टांप ड्यूटी महंगी हो जाएगी।

बता दें कि जिला प्रशासन ने नोएडा अथॉरिटी, ग्रेटर नोएडा अथॉरिटी और यमुना अथॉरिटी से जमीन आवंटन की दरों पर रिपोर्ट मांगी है। इसके अलावा किसानों से जमीन अधिग्रहण के दौरान उन्हें दिए जाने वाले मुआवजे का भी ब्यौरा मांगा

गया है। यह सभी रिपोर्ट अगले 1–2 दिन में जिला प्रशासन तक पहुंच जाएंगी। इसके आधार पर नोएडा का नया सर्किल रेट चुना जाएगा। सर्किल कितना बढ़ेगा, इसकी पुष्टि नहीं की गई है। मगर कई लोगों का मानना है कि सर्किल रेट 20–25 प्रतिशत तक बढ़ाया जा सकता है।

नोएडा में 2015 के बाद से सर्किल रेट की दरों में इजाफा नहीं हुआ है। 2019 और 2022 में सर्किल रेट बढ़ने के कयास लगाए गए थे, लेकिन फिर इस प्रस्ताव को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। आंकड़ों की मानें तो अगले एक साल में 63 हजार फ्लैट की रजिस्ट्री होनी है। ऐसे में अगर सर्किल रेट 25 प्रतिशत तक बढ़ाया जाएगा, तो 1000 स्क्वायर फुट फ्लैट पर रजिस्ट्री का खर्च 75 हजार तक हो सकता है।

नोएडा में 2015 के बाद से सर्किल रेट की दरों में इजाफा नहीं हुआ है। 2019 और 2022 में सर्किल रेट बढ़ने के कयास लगाए गए थे, लेकिन फिर इस प्रस्ताव को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। आंकड़ों की मानें तो अगले एक साल में 63 हजार फ्लैट की रजिस्ट्री होनी है। ऐसे में अगर सर्किल रेट 25 प्रतिशत तक बढ़ाया जाएगा, तो 1000 स्क्वायर फुट फ्लैट पर रजिस्ट्री का खर्च 75 हजार तक हो सकता है।

दिल्ली से देहरादून बस ढाई घंटे में !

नई दिल्ली। हिल स्टेशन से लेकर तीर्थ यात्रा पर जाने के लिए अक्सर आपको देहरादून से होकर गुजरना पड़ता है। हालांकि दिल्ली से देहरादून का रास्ता काफी लंबा और थका देने वाला होता है। मगर अब देहरादून जाने वालों के लिए बड़ी खुशखबरी सामने आई है। दिल्ली–देहरादून एक्सप्रेस वे का काम जल्द पूरा होने वाला है। अब आप 6 घंटे की बजाए महज ढाई घंटे में दिल्ली से देहरादून का सफर तय कर सकेंगे।

नेशनल हाइवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने इसी साल दिसंबर में दिल्ली–देहरादून हाईवे आम लोगों के लिए चालू करने का फैसला किया है। हाल ही में इसे लेकर एक बैठ हुई थी, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी सड़क परिवहन मंत्रालय को साल के अंत तक हाईवे शुरू करने का निर्देश दिया है। दिल्ली–देहरादून हाईवे को हरिद्वार तक बढ़ाया जाएगा। खबरों की मानें तो मई 2025 में हाईवे का काम पूरा हो जाएगा, जिसके बाद दिल्ली से हरिद्वार का रास्ता भी कम समय में तय किया जा सकेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने भी बैठक के दौरान हाईवे का काम समय से पूरा करने का आदेश दिया है।रिपोर्ट के अनुसार हाईवे बनाने के लिए जमीन से जुड़े मामले हल हो गए हैं। ठल्अकने हाईवे का काम

तेजी से शुरू कर दिया है और अगले 4 महीने में दिल्ली–देहरादून हाईवे बनकर तैयार हो जाएगा। इसके बाद अगले 5 महीनों में देहरादून से हरिद्वार तक हाईवे का काम पूरा हो जाएगा। ऐसे में दिल्ली से हरिद्वार कुछ घंटों में ही पहुंचा जा सकेगा।

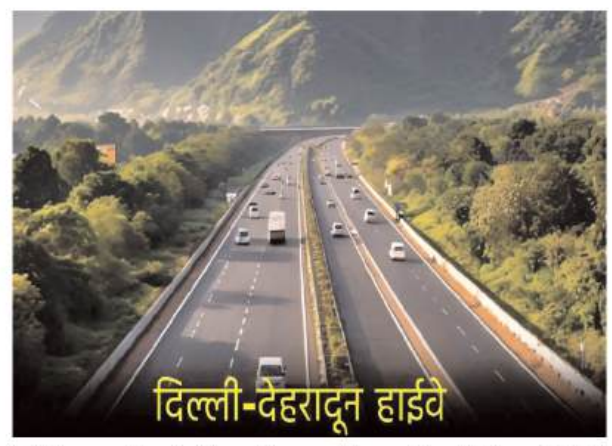

बता दें कि दिल्ली से हरिद्वार तक बनने वाला यह हाईवे 264 किलोमीटर का होगा, जिसकी कुल लगात 14,285 करोड़ आएगी। हाईवे की पूरी फंडिंग भारत सरकार के द्वारा की जाएगी। यह हाईवे राजाजी नेशनल पार्क और शिवालिक रिजर्व फॉरेस्ट एरिया से होकर गुजरेगा। हाइवे बनने के बाद दिल्ली के अक्षरधाम से देहरादून का सफर मात्र 2.5 घंटे में तय किया जा सकेगा।

दिल्ली–देहरादून एक्सप्रेस वे पर चढ़ने–उतरने के लिए 7 एंट्री पॉइंट होंगे। अक्षरधाम के अलावा गीता कॉलोनी, शमशान घाट (कैलाश नगर), सोनिया विहार, विजय विहार और मांडोला से दिल्ली–देहरादून हाईवे पर एंट्री की जा सकती है। वहीं एक्सप्रेस वे से उतरने के लिए अक्षरधाम, खजूरी चौक, सोनिया विहार, विजय विहार और मांडोला पर कट मौजूद रहेंगे।

पासपोर्ट बनवाने वालों के लिए गुड न्यूज , फिर शुरूहुई सेवा ; कैंसल अपाइंटमेंट ऐसे कराएं रिशेडयूल

नई दिल्ली। पासपोर्ट बनवाने का इंतजार कर रहे लोगों के लिए खुशखबरी सामने आई है। पिछले 5 दिनों से पासपोर्ट सेवा पोर्टल बंद था, जिसे अब फिर से शुरू कर दिया गया है। पासपोर्ट सेवा पोर्टल ने ट्वीट करते हुए इसकी जानकारी दी है। इसके अनुसार कुछ तकनीकि कारणों से पासपोर्ट सेवा स्थगति कर दी गई थी, जिसे अब फिर से चालू कर दिया गया है।

अगर आप नए पासपोर्ट के लिए अप्लाई करना चाहते हैं तो आप अपने फोन पर पासपोर्ट सेवा मोबाइल ऐप डाउनलोड कर सकते है। एन्ड्रॉयड और डर दोनों पर उपलब्ध है। इसे डाउनलोड करके आप ऑनलाइन माध्यम से पासपोर्ट के लिए अप्लाई कर सकते हैं। इसके अलावा पासपोर्ट से जुड़ी अन्य सेवाओं के लिए भी आप इस मोबइल ऐप की मदद ले सकते है।

पासपोर्ट सेवा पोर्टल की ऑफिशियल वेबसाइट का तकनीकि काम कल यानी 2 सितंबर को पूरा हो गया है। ऐसे में आज सुबह से पासपोर्ट सेवा पोर्टल को फिर से लोगों के लिए खोल दिया गया है। सरकार ने इसकी एडवाइजरी जारी करते हुए बताया कि टेक्नीकल मेंटेनेंस का काम पूरा होने के बाद पासपोर्ट सेवा पोर्टल और ढरढ को सभी नागरिकों और अधिकारियों के लिए फिर से चालू कर दिया गया है। 30 अगस्त को जिन लोगों की अपॉइंटमेंट्स कैंसिल हुई थीं, उन्हें दोबारा से रिशेड्यूल किया जाएगा।

विदेश मंत्रालय ने किया सतर्क

विदेश मंत्रालय ने चेतावनी जारी करते हुए फेक वेबसाइट से सावधान रहने की अपील की है। विदेश मंत्रालय ने नोटिस जारी करते हुए बताया कि कई फेक वेबसाइट पासपोर्ट बनवाने के नाम पर लोगों से पैसे वसूल रही हैं। ऐसे में पासपोर्ट की अपॉइंटमेंट लेने से पहले वेबसाइट की वास्तविकता का निरीक्षण जरूर कर लें।

www.indiapassport.org, www.online-passportindia.com, www.passportindiaportal.in, www.passport-india.in, www.passport-seva.in, and www.applypassport.org जैसी सभी वेबसाइट फेक हैं।

पासपोर्ट के लिए कहां करें अप्लाई ?

अगर आप नए पासपोर्ट के लिए अप्लाई करना चाहते हैं तो आप अपने फोन पर पासपोर्ट सेवा मोबाइल ऐप डाउनलोड कर सकते हैं। 'ढंर रस्त्रङ्ग१ ३ रीप् ड्ड ी स्त्रस्त्र एन्ड्रॉयड औऱ डर दोनों पर उपलब्ध है। इसे डाउनलोड करके आप ऑनलाइन माध्यम से पासपोर्ट के लिए अप्लाई कर सकते हैं। इसके अलावा पासपोर्ट से जुड़ी अन्य सेवाओं के लिए भी आप इस मोबइल ऐप की मदद ले सकते हैं। साथ ही कैंसल अपॉइंटमेंट्स को भी आप इस पर रिशेड्यूल करवा सकते हैं।

सब का सपना

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा आर्यावर्त प्रिंटर्स सौम्या सदन गोकुल बिहार, अमरोहा उत्तर प्रदेश 244221 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।

संपादक : अनुज कुमार
R.N.I. No. : UPHIN/2023/86483
मोबाइल नंबर
9456884327
E-Mail :- Officialsabkasapna@gmail.com
www.sabkasapna.com
नोट– समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।

मोहम्मद शमी ने किया बड़ा खुलासा

मोहम्मद शमी ने अपना आखिरी मुकाबला भारतीय टीम के लिए वनडे वर्ल्ड कप 2023 में खेला था।

शमी से जब पूछा गया कि मैदान से बाहर रहने के बाद भी वह दमदार प्रदर्शन करने में सक्षम हैं तो उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि मैं इसका आदी हो चुका हूं। 2015, 2019 और 2023 में मेरी शुरुआत एक जैसी ही रही। जब मुझे मौका दिया गया, तो भगवान का शुक्रहै कि मेरे प्रदर्शन ने मुझे फिर से बाहर करने के बारे में कभी नहीं सोचा। आप कड़ी मेहनत की मांग कर सकते हैं, लेकिन मैं हमेशा मौके के लिए तैयार रहता हूं। जब आप तैयार होते हैं, तभी आप खुद को साबित कर सकते हैं। अन्यथा, मैं केवल पानी देने के लिए मैदान में भाग सकता हूँ! जब मौका मिले तो उसे भुनाना बेहतर है।

मोहम्मद शमी इस वक्त अपनी इंजरी के कारण टीम इंडिया से बाहर चल रहे हैं। हालांकि जल्द ही उनकी वापसी की उम्मीद की जा रही है। मोहम्मद शमी ने अपना आखिरी मुकाबला भारतीय टीम के लिए वनडे वर्ल्ड कप 2023 में खेला था। जहां टीम इंडिया को फाइनल में पहुंचाने में उन्होंने एक अहम भूमिका निभाई थी। हालांकि भारतीय टीम को फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। वर्ल्ड कप के दौरान शमी को टखने में गंभीर चोट लग गई थी, फिर भी उन्होंने टूर्नामेंट में खेलना जारी रखा था। इस इंजरी के कारण वह अभी क्रिकेट से दूर हैं और अपने रिहैब पर काम कर रहे हैं।

वनडे वर्ल्ड कप 2023 के दौरान मोहम्मद शमी शुरुआती कुछ मैचों में टीम इंडिया की प्लेइंग 11 का हिस्सा नहीं थे। हालांकि वर्ल्ड कप में बांग्लादेश के खिलाफ खेले गए मुकाबले के दौरान भारतीय टीम के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या चोटिल हो गए और फिर मोहम्मद शमी को उनके रिप्लेसमेंट के तौर पर प्लेइंग 11 में शामिल किया गया। इसके बाद शमी ने इस मौके का पूरा फायदा उठाया और वह रुके नहीं। उन्होंने लगातार सभी मुकाबलों में भारत के लिए विकेट लेना शुरू कर दिया। शमी ने सात मैचों में टूर्नामेंट में 24 विकेट चटकाए।

पिछले महीने आयोजित सीएट क्रिकेट अवॉर्ड्स के दौरान शमी ने अपने वर्ल्ड कप जर्नी के बारे में बात की, जिसका वीडियो रविवार को स्टार स्पोर्ट्स द्वारा सार्वजनिक किया गया। एंकर मयंती लैंगर के साथ बातचीत में शमी ने विश्व कप में अपनी शुरुआत के बारे में विस्तार से बात की, उन्होंने कहा कि वह तीनों वनडे वर्ल्ड कप (2015, 2019 और 2023) में पहली पसंद के खिलाड़ी नहीं थे। हालांकि, चुने जाने के बाद उन्होंने दमदार प्रदर्शन किया और मौके को हाथ से जाने नहीं दिया। शमी से जब पूछा गया कि मैदान से बाहर रहने के बाद भी वह दमदार प्रदर्शन करने में सक्षम हैं तो उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि मैं इसका आदी हो चुका हूं। 2015, 2019 और 2023 में मेरी शुरुआत एक जैसी ही रही। जब मुझे मौका दिया गया, तो भगवान का शुक्रहै कि मेरे प्रदर्शन ने मुझे फिर से बाहर करने के बारे में कभी नहीं सोचा। आप कड़ी मेहनत की मांग कर सकते हैं, लेकिन मैं हमेशा मौके के लिए तैयार रहता हूं। जब आप तैयार होते हैं, तभी आप खुद को साबित कर सकते हैं। अन्यथा, मैं केवल पानी देने के लिए मैदान में भाग सकता हूँ! जब मौका मिले तो उसे भुनाना बेहतर है।

जरूरी खबरें

टेस्ट टीम में लौटने को तैयार धाकड़ खिलाड़ी

पेरिस भारतीय टीम इन दिनों इंटरनेशनल क्रिकेट से ब्रेक पर चल रही है, इसके बाद टीम इंडिया को बांग्लादेश के साथ दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जाएगी। उससे पहले भारतीय खिलाड़ी घरेलू क्रिकेट खेलते नजर आएंगे। बांग्लादेश टेस्ट सीरीज से पहले भारत में दलीप ट्रॉफी खेली जाएगी, जिसमें टीम इंडिया का एक धाकड़ खिलाड़ी भी खेलता हुआ नजर आने वाला है।

इस खिलाड़ी की रेड बॉल क्रिकेट में काफी लंबे समय के बाद वापसी हो रही है। वहीं दलीप ट्रॉफी के बाद ये खिलाड़ी बांग्लादेश के साथ होने वाली टेस्ट सीरीज में भी खेलता हुआ दिखाई दे सकता है। ये खिलाड़ी लगभग 20 महीनों के बाद टेस्ट टीम इंडिया में वापसी करने को तैयार है। इस सीरीज का आगाज 19 सितंबर से होगा।टीम इंडिया के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने कार एक्सीडेंट के बाद से कोई टेस्ट मैच नहीं खेला है। पंत ने आईपीएल 2024 से क्रिकेट मैदान पर वापसी की थी। उनका कमबैक शानदार रहा था, इसके बाद पंत को टी20 विश्व कप 2024 के लिए टीम इंडिया में चुना गया था। इस टूर्नामेंट में भी पंत ने अच्छा प्रदर्शन किया था। अब पंत टेस्ट टीम में वापसी करने के लिए तैयार है। बांग्लादेश के साथ होने वाली टेस्ट सीरीज के लिए टीम इंडिया में शामिल किया जा सकता है। जिसके बाद पंत बांग्लादेश टीम पर भारी पड़ते हुए नजर आ सकते हैं।ऋषभ पंत ने साल 2022 में अपना आखिरी टेस्ट मैच बांग्लादेश के साथ ही खेला था, वहीं टेस्ट क्रिकेट में वापसी भी पंत बांग्लादेश के खिलाफ ही कर सकते हैं। पंत ने भारत के लिए अभी तक 33 टेस्ट मैच खेले हैं, जिसमें बल्लेबाजी करते उन्होंने 2271 रन बनाए हैं।

रिकू सिंह की पारी खेलकर बनाया एक नया रिकॉर्ड

भारतीय टीम इस वक्त इंटरनेशनल मैच नहीं खेल रही हैं, यही कारण है कि स्टार खिलाड़ी भी इस लीग का हिस्सा हैं। इन्हीं में एक नाम है रिंकू सिंह का, जो इस वक्त यूपी टी20 लीग में तहलका मचाए हुए हैं। एक बार फिर से रिंकू ने अपने अंदाज में बल्लेबाजी और अपनी टीम को जीत भी दिलाने में कामयाब रहे।

मेरठ मावेरिक्स की पारी की बात करें तो उनकी शुरुआत अच्छी नहीं रही। केवल 16 रन पर टीम के दो विकेट गिर चुके थे। इसके बाद माधव कौशिक ने पारी को संभालने का काम किया। उन्होंने महज 27 बॉल पर 40 रन ठोक दिए। इसमें छह चौके और एक छक्का शामिल रहा। नंबर 6 पर बल्लेबाजी करने उतरे रिंकू सिंह ने अपने ही अंदाज में बल्लेबाजी की। जो टीम एक वक्त संकट में दिख रही थी, उसे सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया।

रिंकू सिंह ने अपनी पारी के दौरान 35 बॉल का सामना किया और 64 रन ठोकने का काम किया। पारी के दौरान उन्होंने 5 चौके और 3 छक्के जड़े। उनका स्ट्राइक रेट 182.86 का रहा। 20 ओवर पूरे होते होते मेरठ मावेरिक्स की टीम ने सात विकेट के नुकसान पर 163 रन जोड़ लिए। रिंकू सिंह ने जीशान अंसारी के साथ मिलकर आठवें विकेट के लिए केवल 27 बॉल पर 59 रनों की भागेदारी की। साझेदारी में 44 रन रिंकू और सात रन अंसारी के रहे। मेरठ मावेरिक्स की ओर से दिए गए 164 रनों के टारगेट का पीछा करने के लिए जब नोएड सुपरकिंग्स की टीम मैदान पर उतरी तो 20 ओवर में आठ विकेट के नुकसान पर 152 रन ही बना सकी। इस तरह से मेरठ मावेरिक्स ने इस मैच को 11 रन से अपने नाम कर लिया। अभी तक खेले गए मुकाब?लों में मेरठ मावेरिक्स की टीम बेहतरीन प्रदर्शन करती आ रही है और लीग का खिताब जीतने की प्रबल दावेदार भी मानी जा रही है। रिंकू सिंह अपनी टीम के कप्तान भी हैं।

गौतम गंभीर ने 2 मैच विनर खिलाड़ियों को ही कर दिया बाहर

नई दिल्ली

पूर्व दिग्गज बल्लेबाज गौतम गंभीर ने हाल ही में अपनी ऑल टाइम फेवरेट प्लेइंग इलेवन को चुना है। जिसमें से गौतम गंभीर ने ऐसे खिलाड़ियों को बाहर रखा है जिनके नाम सुनकर आप भी हैरान हो जाएंगे। हालांकि गंभीर ने अपनी प्लेइंग इलेवन में एमएस धोनी और विराट कोहली को रखा है। गौतम गंभीर की ये ऑल टाइम फेवरेट प्लेइंग इलेवन अब फैंस को काफी चौंकाने वाली लग रही है।

रोहित शर्मा टीम इंडिया के लिए काफी सालों से ओपनिंग में बल्लेबाजी कर रहे हैं। रोहित शर्मा के बल्लेबाजी करने के अंदाज से विपक्षी गेंदबाज भी काफी खौफ खाते हैं लेकिन गंभीर ने अपनी प्लेइंग इलेवन में रोहित नहीं बल्कि वीरेंद्र सहवाग को सलामी बल्लेबाज के रूप में चुना है। वहीं दूसरी तरफ मौजूदा समय के सबसे खतरनाक तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को भी गंभीर की ऑल टाइम प्लेइंग इलेवन में जगह नहीं मिली है। इसके अलावा गंभीर ने सुनील गावस्कर और कपिल देव जैसे दिग्गजों को भी अनदेखा किया है।गौतम गंभीर ने नंबर तीन और चार के लिए पूर्व महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर और राहुल द्रविड़ को चुना है। इसके अलावा नंबर 5 और 6 के लिए विराट कोहली और युवराज सिंह पर भरोस जताया है। इसके अलावा विकेटकीपर बल्लेबाज के रूप में एमएस धोनी को चुना है। इसके अलावा स्पिन गेंदबाजों में गंभीर ने दिग्गज हरभजन सिंह को भी नजरअंदाज कर दिया है। स्पिन गेंदबाजों के रूप में उन्होंने दिग्गज अनिल कुंबले और रविचंद्रन अश्विन को शामिल किया है।इसके अलावा अपनी ऑल टाइम फेवरेट प्लेइंग इलेवन में गौतम गंभीर ने तेज गेंदबाजों के रूप में दिग्गज जहीर खान और इरफान पठान को शामिल किया है। हालांकि जसप्रीत बुमराह को गंभीर का अपनी प्लेइंग इलेवन से नजरअंदाज करना थोड़ा चौंकाने वाला है। वीरेंद्र सहवाग, गौतम गंभीर, सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़, विराट कोहली, युवराज सिंह, एमएस धोनी, अनिल कुंबले, आर अश्विन, जहीर खान और इरफान पठान।

निकोलस पूरन ने 139 छक्के मारकर रचा इतिहास

नई दिल्ली

बल्लेबाज निकोलस पूरन ने नया कीर्तिमान स्थापित कर दिया है। वो टी20 क्रिकेट में एक साल में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने अपने ही टीम के तूफानी बल्लेबाज रहे क्रिस गेल के इस रिकॉर्ड को चकनाचूर कर ये उपलब्धि अपने नाम की है। निकोलस पूरन ने ये कारनामा महज 8 महीने में ही कर दिखाया है। अभी उन्हें 4 महीने और मैच खेलने हैं, जिससे साफ है कि वो एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम खड़ा करेंगे।

निकोलस पूरन ने इस साल यानी 2024 में अब तक कुल 139 छक्के लगाए हैं। ये टी20 क्रिकेट में एक साल के भीतर सर्वाधिक है। इससे पहले ये रिकॉर्ड दिग्गज बल्लेबाज क्रिस गेल के नाम दर्ज था, जिन्होंने 2015 में 135 छक्के लगाने का रिकॉर्ड बनाया था। एक साल में सबसे ज्यादा छक्के मारने वाले टॉप-5 खिलाड़ियों की सूची में निकोलस पूरन और क्रिस गेल के नाम के अलावा आंद्रे रसेल का नाम भी दर्ज है।निकोलस पूरन अभी कैरेबियाई लीग में खेल रहे हैं। अभी उन्हें इस टूर्नामेंट में कई मैच खेलने हैं। ऐसे में उम्मीद लगाई जा रही है कि वो इस साल 200 छक्के जड़ने का कारनामा कर सकते हैं। ऐसा करने वाले वो दुनिया के पहले बल्लेबाज होंगे।निकोलस पूरन इस समय शानदार फॉर्म में चल रहे हैं। वह फिलहाल अपने देश की फेंचाइजी लीग कैरेबियाई प्रीमियर लीग में खेल रहे हैं।

बांग्लादेश टेस्ट सीरीज में टीम इंडिया से इस खिलाड़ी का पत्ता कटना तय!

नई दिल्ली

भारत और बांग्लादेश के बीच 2 मैचों की टेस्ट सीरीज सितंबर में खेली जाएगी। जिसको लेकर बांग्लादेश की टीम भारत का दौरा करेगी। वहीं उससे पहले टीम इंडिया के खिलाड़ी घरेलू क्रिकेट खेलकर अपनी तैयारियों को पुख्ता कर रहे हैं। बुची बाबू टूर्नामेंट में टीम इंडिया के कई खिलाड़ी अपना दमखम दिखा रहे हैं। वहीं एक खिलाड़ी ऐसा है जिसने अभी तक इस टूर्नामेंट में अपने खराब प्रदर्शन से काफी निराश किया है। जिसके बाद बांग्लादेश टेस्ट सीरीज में टीम इंडिया से इस खिलाड़ी का पत्ता कटना तय माना जा रहा है।

श्रेयस अय्यर फिलहाल मुंबई की तरफ बुची बाबू टूर्नामेंट में खेल रहे हैं। अभी तक उनके बल्ले से इस टूर्नामेंट में एक भी ढंग की पारी देखने को नहीं मिली है। मुंबई और टीएनसीए 11 के बीच खेले जा रहे मैच की पहली पारी में अय्यर महज 2 रन बनाकर आउट हो गए थे। इस पारी में अय्यर को साई किशोर ने आउट किया था। उनके इस लचर प्रदर्शन के बाद अय्यर को बांग्लादेश टेस्ट सीरीज में टीम इंडिया से बाहर रखा जा सकता है। पिछले काफी समय से अय्यर का बल्ला खामोश नजर आ रहा है।

इससे पहले अय्यर को श्रीलंका दौरे पर वनडे सीरीज के लिए टीम इंडिया में चुना गया था। इस सीरीज में भी अय्यर का प्रदर्शन बेहद खराब रहा था। अब इस खिलाड़ी टीम इंडिया से पत्ता कटना लगभग तय माना जा रहा है। हालांकि अय्यर के पास अभी भी एक मौका है। बांग्लादेश टेस्ट सीरीज से पहले भारत में दलीप ट्रॉफी खेली जाएगी। अगर श्रेयस अय्यर दलीप ट्रॉफी में अच्छे रन बनाते हैं तो शायद सेलेक्टर उनको टेस्ट टीम में चुन सकते हैं।

बांग्लादेश की टीम फिलहाल पाकिस्तान के दौरे पर है। इसके बाद बांग्लादेश की टीम भारत आएगी। जहां दोनों टीमों के टेस्ट सीरीज खेली जाएगी। जिसका पहला मैच 19 सितंबर से शुरू होगा। अब फैंस की नजरें इस बात पर टिकी हैं कि आखिर इस सीरीज में टीम इंडिया में किन-किन खिलाड़ियों को मौका मिलने वाला है।एक खिलाड़ी ऐसा है जिसने अभी तक इस टूर्नामेंट में अपने खराब प्रदर्शन से काफी निराश किया है। जिसके बाद बांग्लादेश टेस्ट सीरीज में टीम इंडिया से इस खिलाड़ी का पत्ता कटना तय माना जा रहा है।

जहीर खान ने बदले तेवर कह दी रोहित शर्मा को चुभने वाली बात

लखनऊ : 'इम्पैक्ट प्लेयर रूल' पर पिछले सीजन रोहित शर्मा और विराट कोहली ने खुलकर अपनी राय रखी थी। दोनों ही बल्लेबाजों ने इस रूल को ऑलराउंडरों के लिए बड़ा खतरा बताया था। लखनऊसुपर जायंट्स यानी छर्रे ने जहीर खान को अपना मेंटर नियुक्त किया है। छर्रे से जुड़ने के तुरंत बाद जहीर खान ने क्छछ के विवादास्पद नियम को लेकर बड़ा बयान दिया है, जिससे रोहित शर्मा के फैंस नाराज हो सकते हैं। दरअसल, जहीर खान ने मेंटर बनते ही 'इम्पैक्ट प्लेयर रूल' पर ऐसा बयान दे दिया है, जिससे नया विवाद खड़ा हो सकता है। साल 2023 में पहली बार क्छछ में 'इम्पैक्ट प्लेयर रूल' को लाया गया था, लेकिन एक ही सीजन के बाद यह रूल सवालों के घेरे में आ गया। कुछ लोग इस रूल के सपोर्ट में थे जबकि कई लोगों ने इसके खिलाफ अपनी आवाज बुलंद की थी। क्रिकेट के कई जानकारों का मानना था कि इस रूल के आने से ऑलराउंडरों का बड़ा नुकसान हुआ है।

'इम्पैक्ट प्लेयर रूल' पर पिछले सीजन रोहित शर्मा और विराट कोहली ने खुलकर अपनी राय रखी थी। दोनों ही बल्लेबाजों ने इस रूल को ऑलराउंडरों के लिए बड़ा खतरा बताया था। यही नहीं, जहीर खान भी तब इस रूल के पक्ष में नहीं थे लेकिन अब छर्रे के मेंटर बनते ही उनके सुर बदल गए हैं। जहीर का मानना है कि इससे भारत के युवा खिलाड़ियों को काफी मौके मिलेंगे।

शिक्षक बच्चों को न केवल ज्ञान देते हैं, बल्कि उनके चरित्र निर्माण में भी निभाते हैं महत्वपूर्ण भूमिका

भारत में शिक्षक दिवस हर साल 5 सितंबर को मनाया जाता है. यह दिन शिक्षकों के प्रति सम्मान और आभार व्यक्त करने के लिए समर्पित है. 5 सितंबर का दिन भारत के दूसरे राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिवस के रूप में मनाया जाता है. डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन एक महान शिक्षक, दार्शनिक, और विचारक थे। डॉ. राधाकृष्णन का जन्म 5 सितंबर 1888 को तिरुत्तानी में हुआ था.

वे मैसूर विश्वविद्यालय में दर्शनशास्त्र के प्रोफेसर थे और शिक्षा के क्षेत्र में उनकी कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां थीं. उन्हें अपने विद्यार्थियों से बहुत लगाव था और उन्होंने उन्हें जीवन के महत्वपूर्ण गुण सिखाए. 1962 में, जब डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन भारत के दूसरे राष्ट्रपति बने, तो उनके कुछ खास छात्र उनके जन्मदिन को विशेष रूप से मनाने की अनुमति लेने उनके पास पहुंचे.

इस पर डॉ. राधाकृष्णन ने कहा कि उनके जन्मदिन को अलग से मनाने के बजाय, इसे शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाए, तो वे अधिक सम्मानित महसूस करेंगे. तब से 5 सितंबर को शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाने लगा.

शिक्षक दिवस का महत्व

शिक्षक दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य शिक्षकों के महत्वपूर्ण योगदान को मान्यता देना और उनकी मेहनत, त्याग, और निस्वार्थ सेवा का सम्मान करना है। शिक्षक बच्चों को न केवल ज्ञान देते हैं, बल्कि उनके चरित्र निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं. वे बच्चों के लिए आदर्श होते हैं और उनका जीवन विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत होता है. यह दिन न केवल शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त करने का अवसर है, बल्कि छात्रों के लिए यह समझने का भी मौका है कि शिक्षक उनके जीवन में कितने महत्वपूर्ण हैं.

शिक्षक दिवस के प्रसिद्ध विचार

– भगवान हम सबके भीतर रहता है, महसूस करता है और कष्ट सहता है, और समय के साथ उसके गुण, ज्ञान, सौन्दर्य और प्रेम हममें से हर एक के अंदर उजागर होंगे.
– डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन

पुस्तकें वह साधन है जिनके माध्यम से हम विभिन्न संस्कृतियों के बीच पुल का निर्माण कर सकते है.
– डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन

जीने के लिए अपने पिता का ऋणी हूं, पर अच्छे से जीने के लिए अपने गुरु का
– सिकंदर महान

2024 में शिक्षक दिवस की थीम 'सतत भविष्य के लिए शिक्षकों को सशक्त बनाना' है. यह थीम जिम्मेदार और जागरूक नागरिकों के विकास में शिक्षकों की बढ़ती भूमिका पर जोर देती है.

क्यों मनाया जाता है शिक्षक दिवस?

भारत में हर साल 5 सितंबर को बड़ी ही धूमधाम से शिक्षक दिवस मनाया जाता है। यह दिन विशेष रूप से शिक्षको के प्रति सम्मान और आदर प्रकट करने के लिए समर्पित है। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि 5 सितंबर को ही शिक्षक दिवस क्यों मनाया जाता है? इसके पीछे एक बहुत ही महत्वपूर्ण और प्रेरणादायक कहानी है।

5 सितंबर को शिक्षक दिवस के रूप में मनाने का मुख्य कारण यह है कि यह दिन भारत के पहले उपराष्ट्रपति और दूसरे राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जन्मदिन है। डॉ. राधाकृष्णन एक महान शिक्षाविद, दार्शनिक और शिक्षक थे। उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में अभूतपूर्व योगदान दिया, और उनकी शिक्षाएं और विचार आज भी लोगों को प्रेरित करते हैं।

सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जन्मदिन

डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जन्म 5 सितंबर, 1888 को तमिलनाडु के तिरुतनी में हुआ था। एक प्रख्यात दार्शनिक, लेखक, शिक्षक और राजनेता राधाकृष्णन ने भारत के बौद्धिक और शैक्षिक परिदृश्य को गहराई से प्रभावित किया। उन्हें भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से सम्मानित किया गया था।

जब डॉ. राधाकृष्णन भारत के दूसरे राष्ट्रपति बने, तो उनके कुछ पूर्व छात्रों ने उनके जन्मदिन को मनाने के लिए उनसे संपर्क किया। इस पर डॉ. राधाकृष्णन ने सुझाव दिया कि उनके जन्मदिन को शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाए। यह उनके शिक्षकों के प्रति सम्मान का प्रतीक बनेगा। उनके इस विनम्र और आदर्शपूर्ण सुझाव को मानते हुए, 1962 से 5 सितंबर को शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाने लगा। तब से भारत में हर साल 5 सितंबर को शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है।

शिक्षकों को धन्यवाद देने का दिन

शिक्षक दिवस सिर्फ़ शिक्षकों का सम्मान करने का दिन नहीं है, बल्कि यह उनके योगदान को याद करने और उन्हें धन्यवाद देने का भी दिन है। हमें अपने शिक्षकों के प्रति हमेशा आभारी रहना चाहिए। यह दिन छात्रों को अपने शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त करने का अवसर प्रदान करता है। इस दिन स्कूलों और कॉलेजों में कई कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। छात्र अपने शिक्षकों को कार्ड, फूल और उपहार देकर अपनी भावनाओं को व्यक्त करते हैं।